

राज

**कॉमिक्स
विशेषांक**

मूल्य 40.00 संख्या 670

नागाधीश



नागराज का
एक पोस्टर
मुफ्त

नागराज
सुपरकमांडोध्रुव

नाश-कानून से ऊपर कोई नहीं होता! न तो कोई इच्छाधारी नाग, न ही नागद्वीप सम्राट और न ही महात्मा कालदूत

नागों का कानून बताता है, नागसंहिता! और इस नागसंहिता में लिखे 'सर्प-संविधान' के अनुसार फैसला सुनाता है नाग्यालय का प्रमुख न्यायाधीश...

नागाधीश

संजय गुप्ता
की पेशकश

कथा एवं कथानक :

जॉली
सिन्हा

चित्र :

अनुपम
सिन्हा

इकिंग :

विनोद
कुमार

सुलेख, रंगसज्जा :

सुनील
पाण्डेय

संपादन :

मनीष
गुप्ता



महानगर के तान में जड़ा
सया नवीनतम हीरा है-

अंडरग्राउंड मेट्रो-

सलह से 27 मीटर नीचे बनी 'ट्यूब-टनेल' में चलने
कली ये ट्रेन सेवा, यात्रियों से हमेशा सदास्वच भी
रहती है-



इसीलिए ये आतंकवादियों का प्रमुख निशाना है-



अरे! ट्रेक के बीचों-
बीच कोई आदमी खड़ा
है! ब्रेक लगओ!
इमर्जेंसी ब्रेक!



ये... ये क्या? कुछ
गड़बड़ है! खतरा है!
स्पीड बढ़ाओ! बढ़ाओ
इसे!

ये जरूर कोई
आतंकवादी हमला
है!

मेट्रो, धड़धड़ानी हुई हमलावर की तरफ बढ़ी-

लेकिन-

अरे! टक्कर नहीं हुई! हमको भयंकरा तक नहीं भया! इसलिए वह स्वतंत्रताक प्राणी, सेल बकल पर ससे से हट गया होगा!



मुझे नहीं...



—राम्से से तो तुमको हटाना है! क्योंकि मुझे इस सुरंग को खत्म करने का काम सौंपा गया है!



सक स्टेडान के बाद इस सुरंग की बढ़ती खतरा हो जाती है!



पंच मिनट के बाद ये मेट्रो ट्रेन आखिरी स्टेडान को पार करती हुई सीधे उस जोड़ी दीवार से जा टकराएगी जो इस ट्रेक के अंत में, एक अवरोध के रूप में लगाई गई है!



एक भयंकर हादसा होगा और इंसान इस सुरंग में आने से भी डरेगा! और फिर जब इस सुरंग का काम ही नहीं रहेगा तो ये सुरंग अपने आप बंद हो जाएगी!

और फिर से बन जाएगी उन सांपों का घर, जिनको इंसानों की दखलअंदाजी के कारण यहां से हटाना पड़ा!

इस काम के लिए उनको मिलेगा घर और मुझको मिलेगी पचास डचआधारी गुलाम सर्प!

मेट्रो के अंदर-

बाकई ये ट्रेन मुंदर और
साफ सुधरी होने के साथ-साथ
सुविधाजनक भी है! रोब से
हम आते तो इतनी जल्दी घर
कभी नहीं पहुंच पाते! यलो,
अब अगला स्टेशन हमारा
ही है, राज उठो!

स्टेशन आने
वाला है तो ट्रेन की
गति कम होने के
बजाय और तेज
क्यों हो रही है?

अरे! स्टेशन तो
निकल गया!



और ट्रेन धीमी
होकर रुकने के
बजाय और तेज
गति पकड़ रही है!

कुछ गड़बड़
लगानी है,
भारती!



मुझे थक
करना पड़ेगा!

ये! संभल
के भाड़!



अरे! बाइबर और
उसका सहायक तो बेहोश
पड़े हुए हैं!

और ट्रेन के कंट्रोल
टूटे हुए हैं!



इस ट्रेन को मुझे
रुकव रोकना होगा!



अरे! नागराज! ये इतनी जल्दी यहाँ पर कैसे पहुँच गया? लेकिन कहावत सुनी है, ज़ायद वह सच है कि नागराज रुक साथ बारह जगहों पर मौजूद हो सकता है!

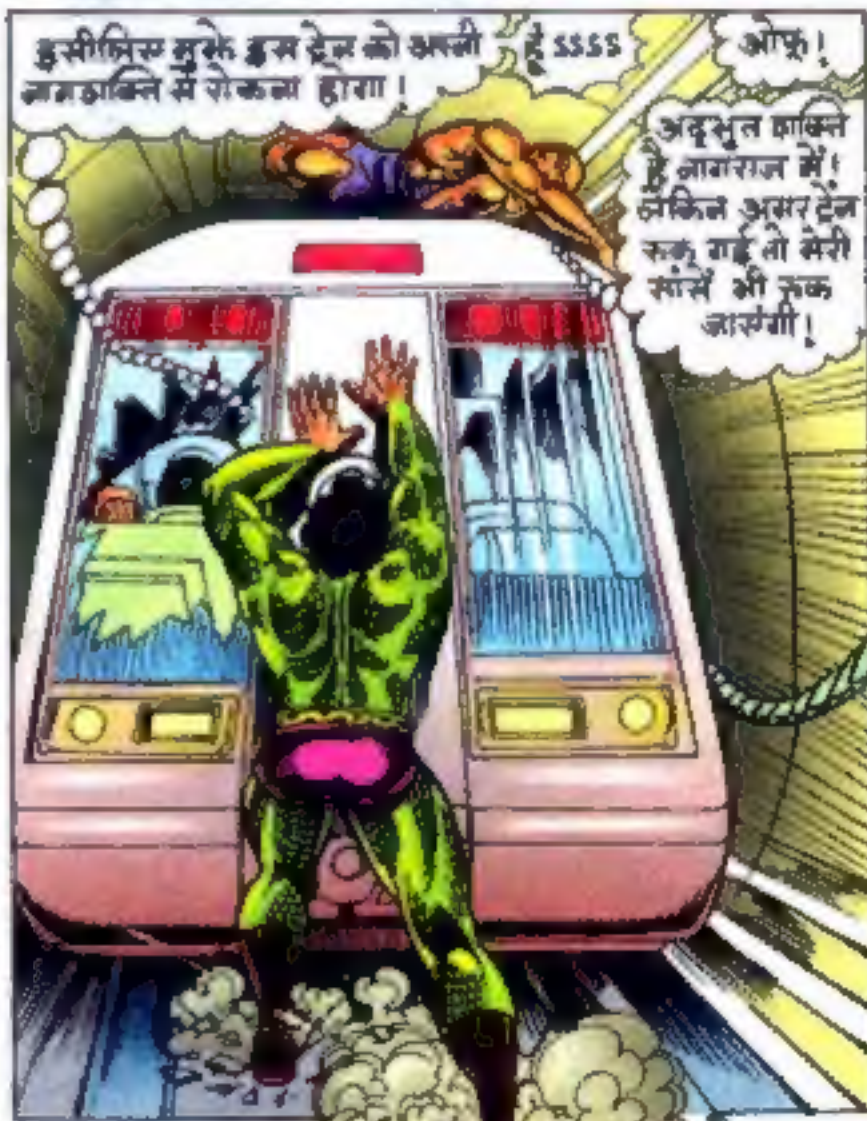
लेकिन कुछ भी हो, इस भारी भरकम ट्रेन को नागराज की शक्ति भी रोक नहीं सकती!

अगर नागराज बीच में आया तो ये भी मरेगा!



सबसे पहले मुझे बिजली गुल करनी होगी ताकि ट्रेन को पोंकर भिखारी बंद हो जाए और इसकी मोटरें धम जाएं!

लेकिन ये काफी नहीं होगा! क्योंकि ट्रेन की गति अभी भी इतनी तेज है कि रुकने रुकने भी यह अंतिम अवरोध से टकरा जायेगी!



इसीलिए मुझे इस ट्रेन को अपनी जगह शक्ति से रोकना होगा!

ओफ़! अद्भुत शक्ति है नागराज में! लेकिन अगर ट्रेन रुक गई तो मेरी सांसें भी रुक जायेंगी!



इसीलिए मुझे नागराज की सांसें रोकनी होंगी!

नागराज!

ओह! मैं समझ गया कि ये काम तुम्हारा ही है!

लेकिन मैं ये नहीं समझा कि तुम यहां से भागे क्यों नहीं?



मुझसे मार खाने के लिए यहां पर रुके क्यों रहे?

आखिर काम पूरा होने के बाद ही पार होता है!

नाकि तुम्हारे जैसे 'मनवों' के रहस्य! उस काम में टांग न अड़ा सकें!

आखिर ऐसा काम तुम करना क्यों चाहते हो? सैकड़ों मानवों की जान लेकर तुमको क्या मिलेगा?



मुझे तो बस पचास गुलाम सर्प मिलेंगे! लेकिन हजारों सर्पों को उनका घर वापस मिल जायगा!

ये सुरंग!

और ये काम तुम सैकड़ों मानवों की जान लेकर पूरा करना चाहते हो! ऐसा नहीं होगा!

ऐसा ही होगा नसरान !
क्योंकि तुम मुझसे उलके
रहोगे और ये ट्रेन अबरोध
से टकरा नसरगी !

नुम्हारे बार मुझ पर
बेकार है , नसरान !
अब ट्रेन को बचाने के
बजाय अपनी जान
बचाने का तरीका
सोचो !

किलहाल तो मैं ट्रेन
को रोकने का रास्ता
सोचूंगा !

बिजली के
बस दूटे तार
की मदद से !

कड़कड़

आऽऽऽ ह। ये सही कह रहा
है ! ये अपने शरीर के किसी भी
अंग को टोस बना सकता है , और
किसी भी अंग को हवा की तरह
फावर्गी !

बिजली का सोटा तार मेट्रो के
पहियों में उलझना गया-

और झटके खानी हुई मेट्रो-

रुकने लगी-

आऽऽऽ ह। ये नहीं हो
सकता ! मेट्रो रुक नहीं
सकती !

है ! मैं हूंगा
इसका पोंवर ! मैं खलाऊंगा
इस ट्रेन को अपनी
डाकित से !

अब मेट्रो
नहीं चलगी,
आरपार !
क्योंकि इसको
चलाने के लिए
पोंवर चाहिए, जो
कहीं मौजूद नहीं
है !

ओह ! ये कंट्रोल
पैनल में घुस रहा
है !



और मेट्रो फिर से
गति पकड़ रही
है!

अबरोध अब ज्यादा
दूर नहीं है!

जो करना है अच्छी
ही करना होगा!



अब एक ही उपाय है!
बस मैं उसीद करता हूँ
कि मेरी सर्प-रस्मियों में
उस काम को पूरा करने
की शक्ति हो!

गुंथी हुई सर्प-रस्मियों
के गुच्छे हवा में ऊपर
रेंग गए-



अब मुझे ट्रेन की
गति को फिर से कब
करना है!

इस ट्रेन को
आरंभ अपनी
शक्ति से चला
रहा है!

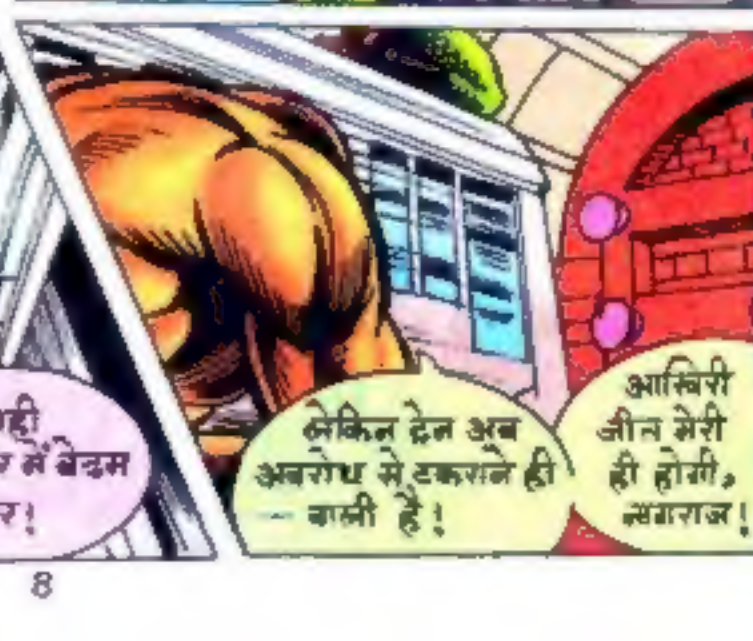
यानी अब इस
इंजन पर बार
करने का मतलब
आरंभ पर बार
करना है!



आ 555 हूँ!

डाक

मेरा रुखान मही
था! तुम एक ही बार में बेदम
हो गए हो, आरंभ!



लेकिन ट्रेन अब
अबरोध से टकराने ही
- वाली है!

आखिरी
जीन मेरी
ही होगी,
नगराज!

ट्रेन रुकेगी,
आपसार! सामने
देख!

ओह! तुम्हारी सर्व शक्तियों
मे पटरियों को ट्रेन से उठाकर
चढ़ाई बना दी है!

हां! और ट्रेन में अब डलनी
नहीं है कि ये इस चढ़ाई
को चढ़ सके!

आऽऽऽ,
नागराज!

तुम अगर बहुत पर न आते तो
हम सब कभी नहीं बचते!

आपको सबानों
के जवाब बड़ में मिल
जायगी! एक दूसरी
ट्रेन आपको यहां
से ले जायगी!

मुझे फिलहाल इस
अपराधी को लेकर कहीं
पर पहुंचना है!

अरे, ये नागराज
है, फिल्मी पुलिस
नहीं है!

पर तुमको इस
मुसीबत की खबर
कैसे मिली?

ये कौन है?
इसकी शक्त से
दिखाओ!

नागाद्वीप पर-

ये जीजिसमहान्तक कहलवुन।
स्वयं और नारा अपराधी। हालांकि,
इसने जो अपराध किया है वह किसी
और के इशारे पर किया है।

अब इससे उस क्रान्त
का नाम पता चलन और
इसको समुचित दंड देना
अपका काम है।

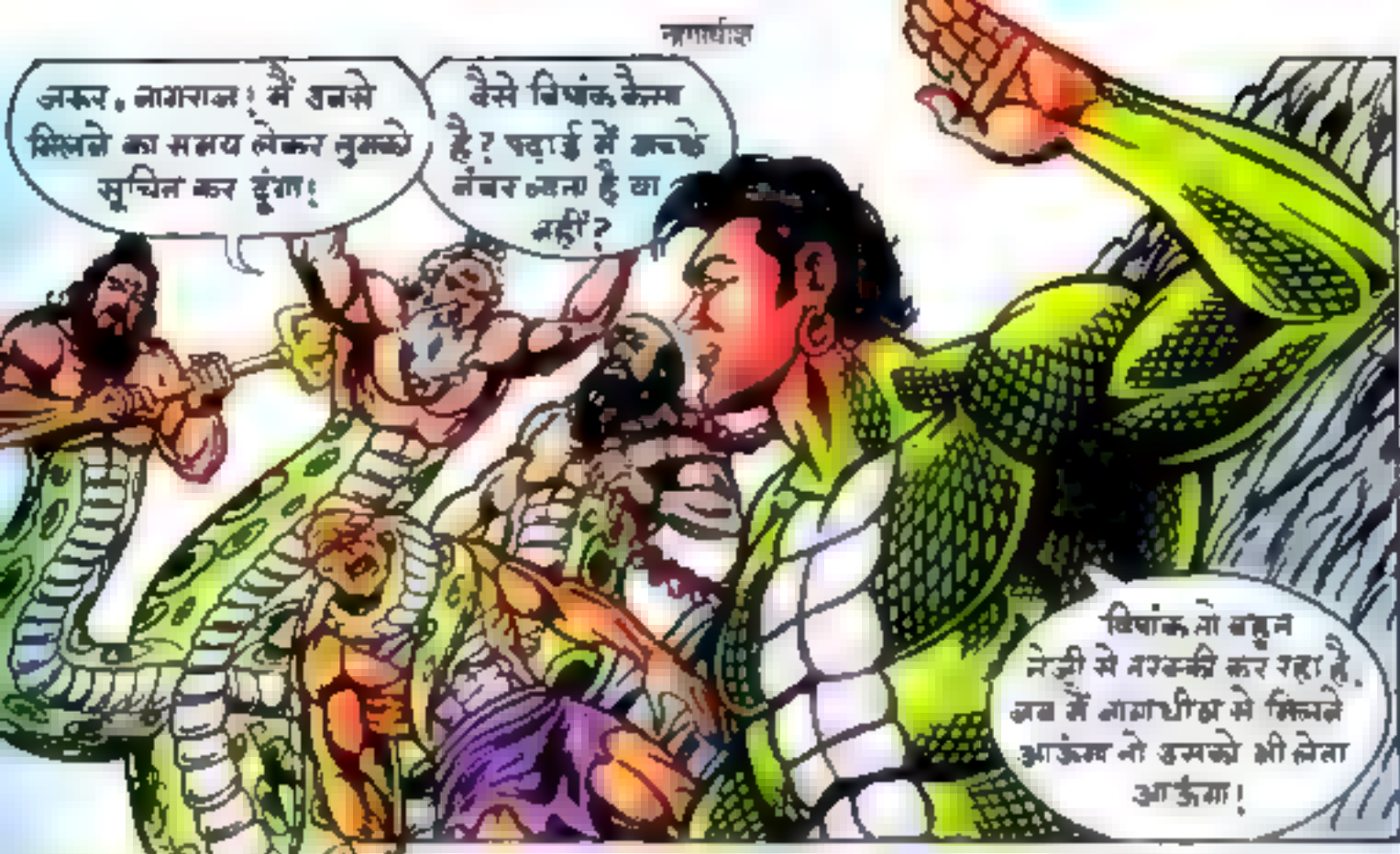
ये काम मेरा नहीं
नारा नाराधन्य का है।
इसको सजा सिर्फ मुझ
नारा-नाराधीन ही मुना
सकते हैं।

नारा नाराधन्य!
नाराधीन। मैंने
इसके बारे में तो
पहले कभी नहीं
सना।

वह कायद इसलिये क्योंकि
तुम अधिकतर ब्रह्म मानवों के बीच में
बिचते हो। हर अपराधी नारा पर नाराधन्य
में मुकदमा चलता है, और उसको सजा
नारा संहिता के अनुसार ही दी जाती
है।

नारा संहिता ही इसका
कानून है। उससे ऊपर कोई
भी नहीं है। न नाराद्वीप का समुद्र
और न ही मैं स्वयं।

आश्चर्य है,
मैं नाराधीन से
मिलना चाहूँगा।



जकर, नागराज ! मैं उनसे मिलने का समय लेकर तुमको सूचित कर दूंगा !

वैसे बिषांक कैसा है ? पदार्थ में अच्छे नंबर बना है या नहीं ?

बिषांक तो बहुत नेट्टी से नरक की कर रहा है, जब मैं नागाधीश से मिलने आऊंगा तो उसको भी लेता आऊंगा !



और किसी गुप्त स्थान पर-

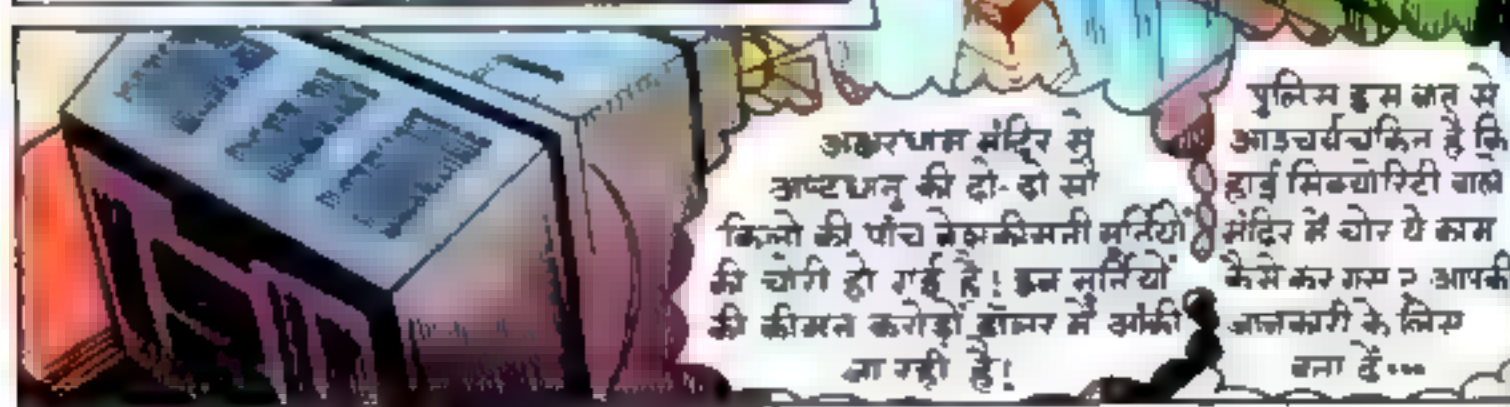
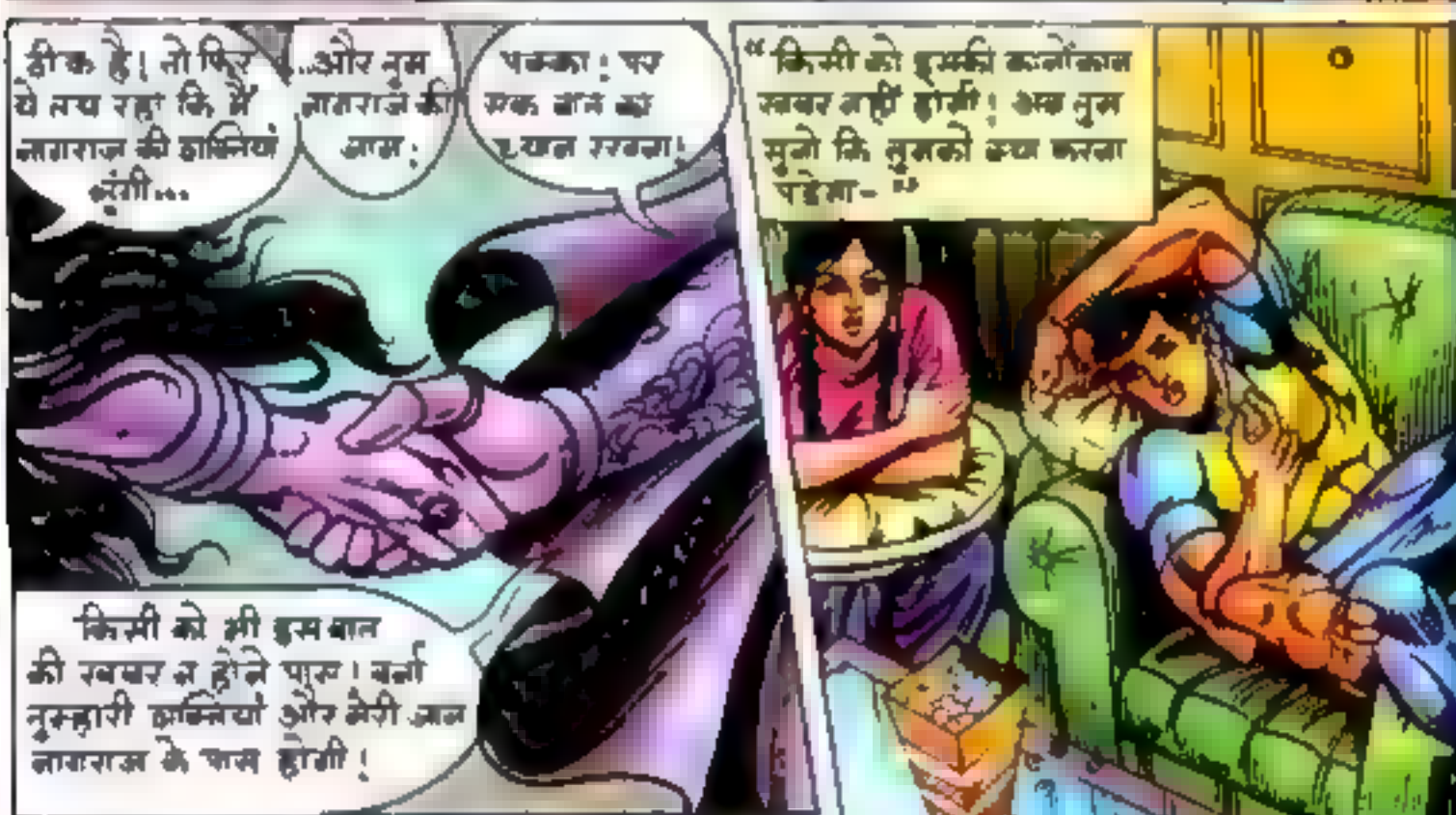
ओफ़ ! नागराज ने फिर एक बार मुझे भगत दे दी ! लोगों की नज़र में सम्मान पाने का एक और मौका मेरे हाथ में बिकस गया !

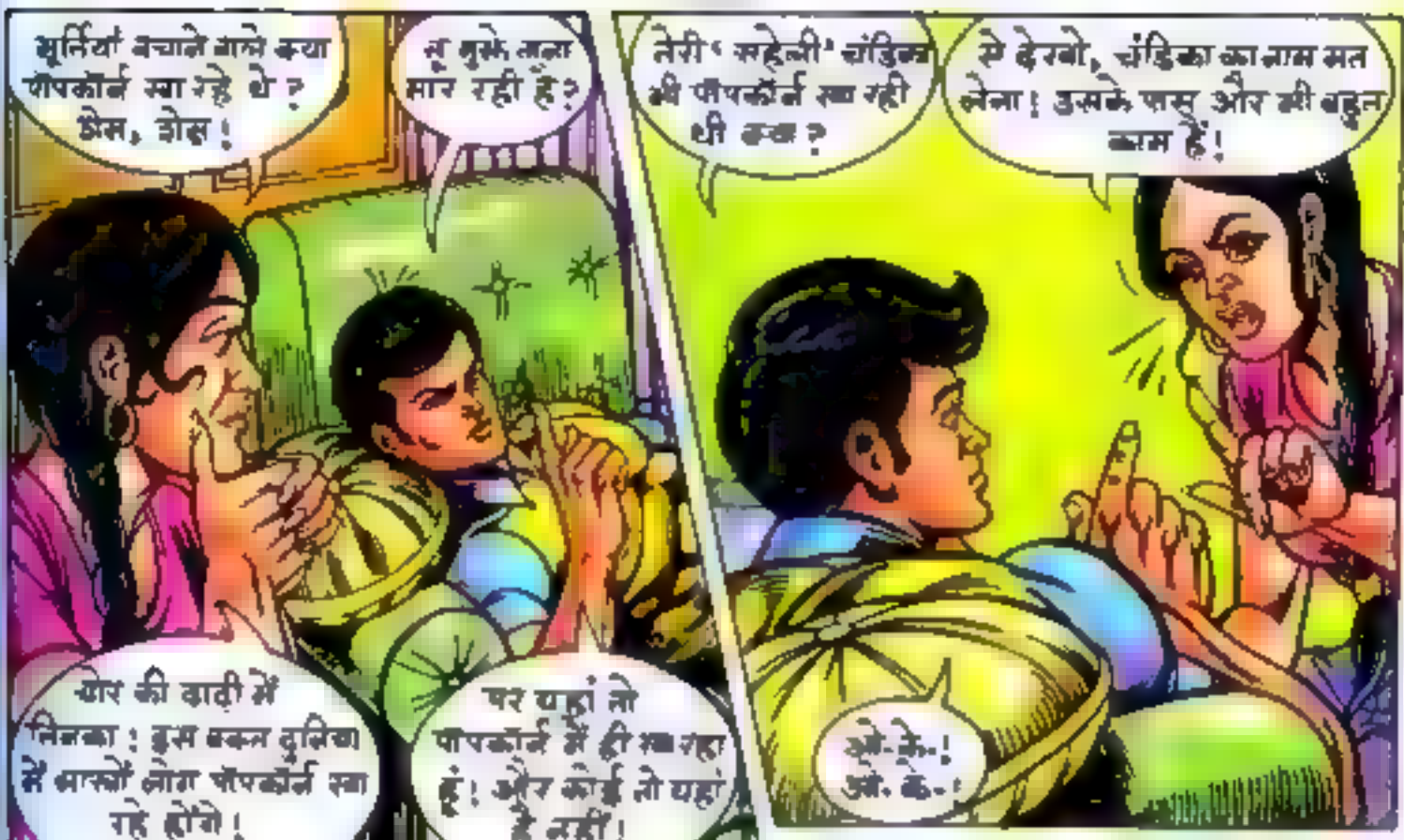
मैंने तुमसे पहले ही कहा था, नागराज के रहते तुम कभी सफल नहीं हो सकती !

नागराज के पास तो इक्तियां हैं, उनसे पार पाया हम जैसे लोगों के बस की बात नहीं है !

अच्छ, नागराज की इक्तियां मेरे पास होती ! वेब काकाजरी के बिष की फुंकार, छरीर में डरछाधरी सांपों को रखने की इक्ति, अपने ही छरीर से सर्प पैदा कर सकने की इक्ति ! अगर ये इक्तियां मेरे पास होती तो मैं पूरी दुनिया पर राज कर रही होती !

लेकिन ये इक्तियां ज तो तुम्हारे पास हैं और न ही तुमको मिल सकती हैं !





धुनियाँ बचाने वाले क्या
पोपकोर्न खा रहे थे ?
डैम, डैम !

तुम्हें लूना
मार रही है ?

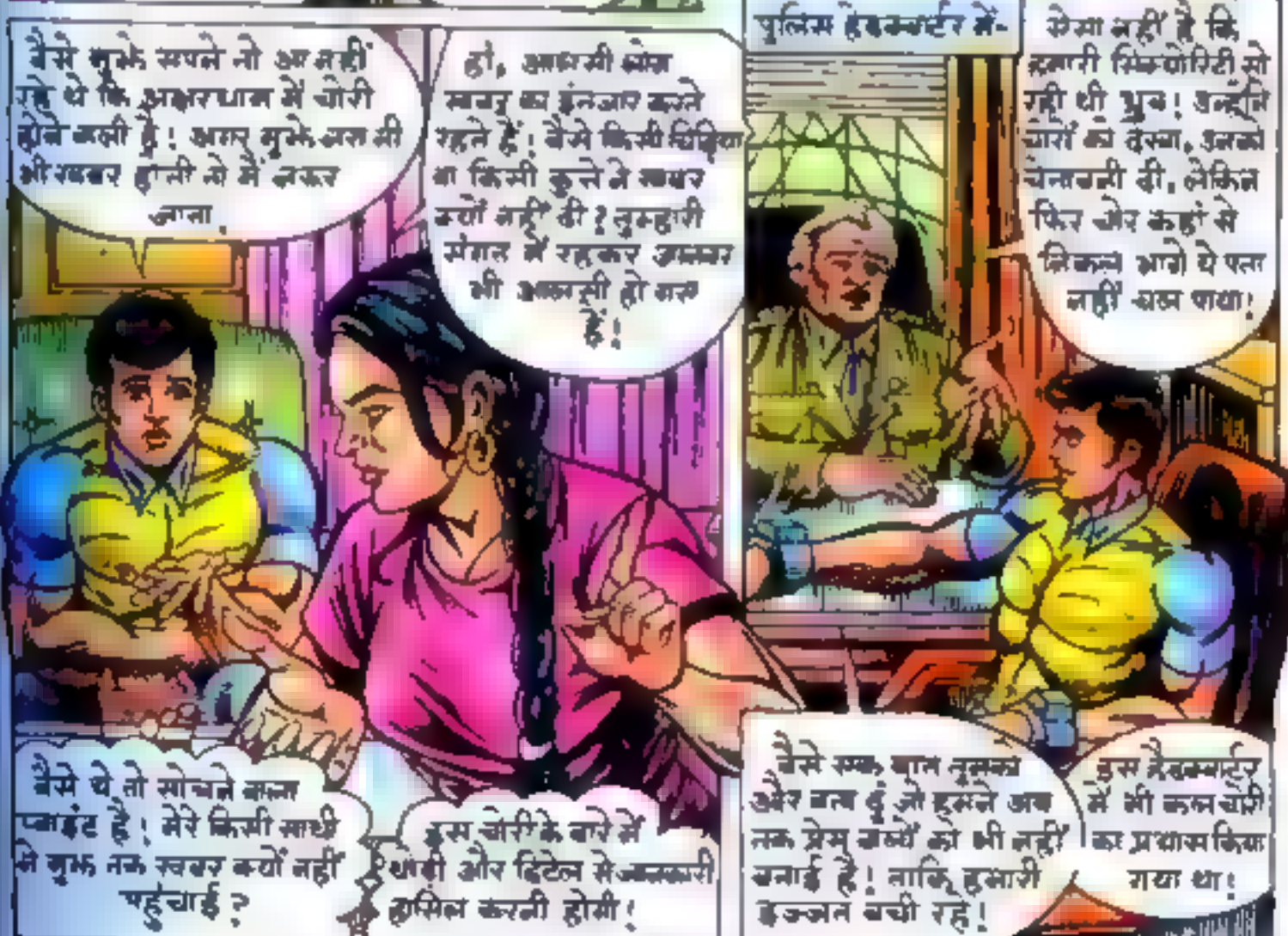
तेरी 'सहेली' चंडिका
भी पोपकोर्न खा रही
थी क्या ?

ये देखो, चंडिका का नाम मत
लेना ! उसके पास और भी बहुत
काम हैं !

घर की दादी में
निजका : इस बकन दुनिया
में भासों लोग पोपकोर्न खा
रहे होंगे !

पर यहां तो
पोपकोर्न में ही खा रहा
हूं ! और कोई तो यहां
है नहीं !

ओ-के-!
ओ-के-!



वैसे मुझे सपने में आ नहीं
रहे थे कि अक्षरधाम में चोरी
होने लगी है ! अगर मुझे जल मी
भी खबर होती तो मैं नकर
जाना !

हां, अक्षरमी झोरा
खबर का इंतजार करते
रहते हैं ! वैसे किसी सिविल
वा किसी कुत्ते ने खबर
क्यों नहीं दी ? लुट्ठारी
संगत में रहकर जख्म
भी अक्षरमी हो गए
हैं !

पुलिस हेडक्वार्टर में-

सेमा नहीं है कि
हमारी सिन्डोरिटी से
रही थी भ्रम ! उन्होंने
चोरों का दस्ला, उनको
चैनबनी दी, लेकिन
फिर ओर कहां से
निकल भागे ये पता
नहीं चल पाया !

वैसे ये तो सोचने वाला
प्लान्ट है ! मेरे किसी साथी
ने मुझ तक खबर क्यों नहीं
पहुंचाई ?

इस चोरी के बारे में
थानी और डिटेन से जानकारी
हमिल करनी होगी !

वैसे एक बात नुसख
और बात है जो हमने अब
तक प्रेस जर्नों को भी नहीं
बनाई है ! नाकि हमारी
इज्जत बची रहे !

इस हेडक्वार्टर
में भी कल चोरी
का प्रयास किया
गया था !

व्हाट! इतनी हिम्मत! कौन था वह चोर? क्या लेने आया था?

कल हमने तस्करी के कुछ हीरे पकड़े थे। उसका निष्पत्ता वे हीरे ही थे!

निकल आया? खानी... उस चोर को पकड़ नहीं पाया!

नहीं! पर वह हीरे भी नहीं ले जा पाया।

पर वह चोर सैकड़ों पुलिस वालों की हज़र कर-कर अंदर घुसा कैसे? मैं उससे मिलना चाहता हूँ बाप!

मिलना तो मैं भी चाहता हूँ! वह पुलिस के लिए कि पुलिस हैडक्वार्टर में अंदर कैसे घुसा? और किस शक्ति से निकल आया!

ओ सैड! अगर खेत को ये बात पता चल गई तो...

नहीं, नहीं! उसको मत बसाना! वरना वह बोक-बोककर मेरा जीन हराकर देगी!

उस तक ये बात न पहुंचे इसी तरह से तो मैंने ये कल त्रेसकलों को भी नहीं बनाई!

जब उस चोर का और अन्वेषण कर पोरों का पता कैसे चलेगा, बाप?

ये फोटो मैं रख लेता हूँ बाप! अब सब और प्रिंट निकलाना भीसियत!

अब तो मुझे भी ये जानने की इत्सुकता बढ़ गई है कि आखिर ये चोर है कौन जो हम से आते हैं और हम में ही गायब हो जाते हैं!

दोनों ही जगहों पर लगे सिक्योरिटी कैमरों ने चोरों की तस्वीरें खींची हैं!

ये देखो! कल तक ये फोटो पूर देखा के हर पुलिस स्टेशन में लगी होगी! वे चोर हमको चुनौती देकर बच नहीं सकते!

ये कम खतरे वाली जगहों पर भी आसम से करोड़ों की चोरी कर सकते थे। पर उन्होंने वे जगह ही क्यों चुनीं, जहां पर पहले से मजबूत सिक्योरिटी मौजूद है!

और उससे भी बड़ी
जान ये है कि चोरों को
मेरे सिवा पशु या पक्षी
क्यों नहीं देख पाए ?

अगर वे देखते
तो मुझे तक़्कर
कर पड़ते !

ताकि... ओफ़ !



अभी तो उनके इन
चोरों के चित्र दिखाकर उनके
इन चोरों को दूँदने के काम पर
मजबूर हूँ !

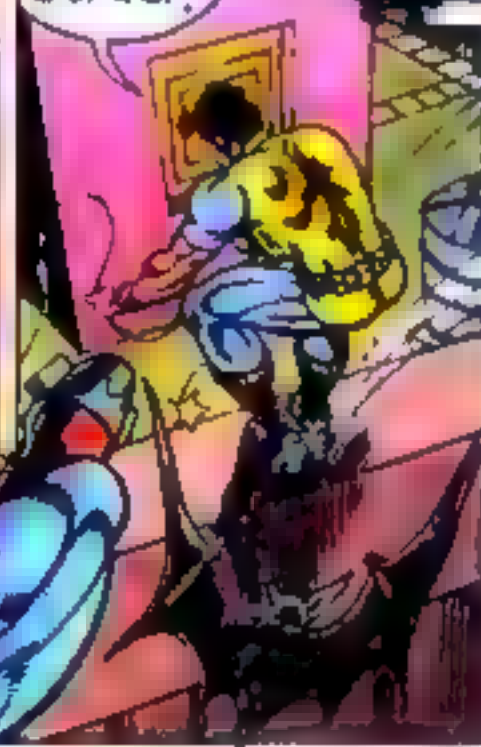


यक़ीनन ये
चमत्कार कहां
से आ गए ?

और ये मुझ
पर हमला क्यों कर
रहे हैं ?



ओफ़ ! कम-
नाक बच !



अब ये चमत्कार
क्या हो गए हैं : मसूदा
ये समझ गए हैं कि मैं
इनका दुश्मन नहीं
हूँ !



यानी अब मैं
आराम से जा...
ओह !



ये तो
फिर भी मुझ पर
हमला करने भरो !



आखिर ये बमगादड़ चाहते क्या हैं? मुझको यहाँ पर रोककर रखना चाहते हैं?

वे उड़कर धोड़ी दूर पर बैठ गए हैं!



और अब वे धोड़ी और दूर पर उड़कर चले गए हैं!

और फिर से आंत होकर बुधर ही दिख रहे हैं!

ओह! सभ्बा!



ये मुझे इजारा कर रहे हैं! ये मुझे कुड़ी ले जाना चाहते हैं!

ऐसा पहली बार हो रहा है

तो बात भी कुछ खास ही होगी!

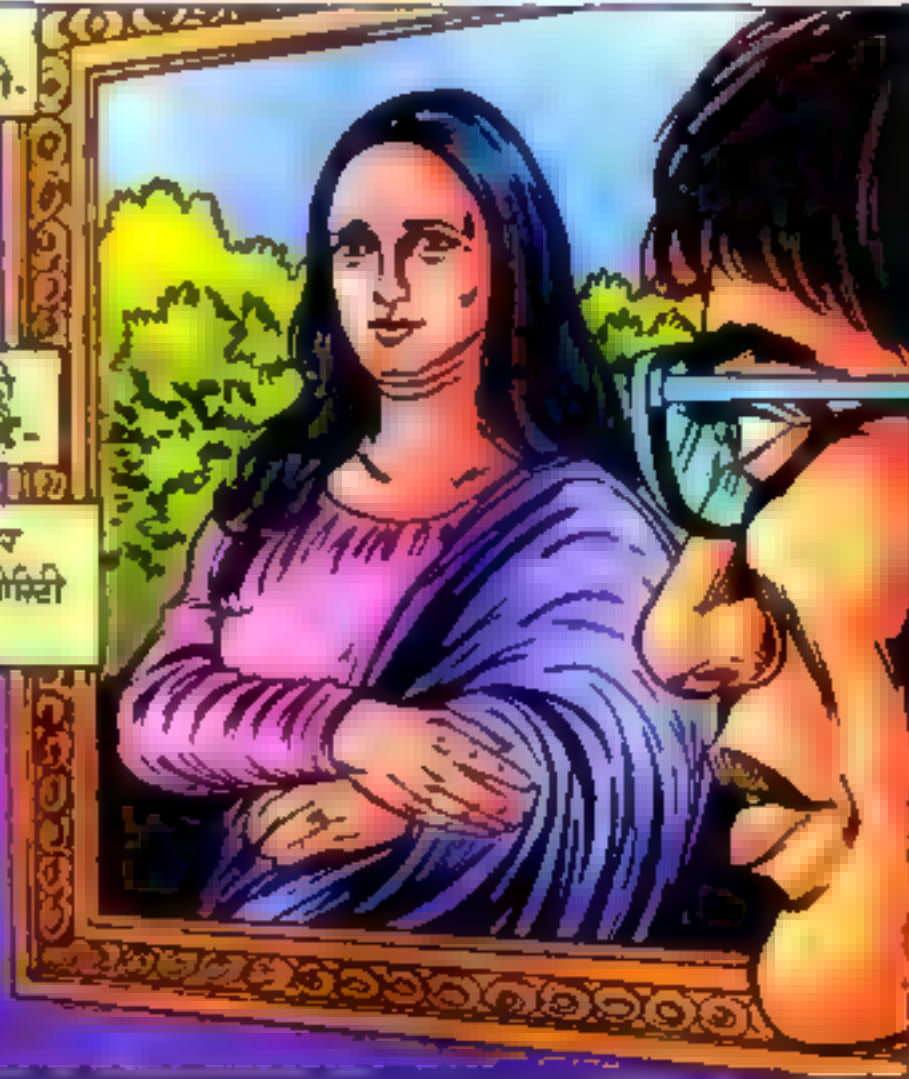
शाननगर स्थित फ्रेंच हार्ट कमीशन के अंदर मौजूद यह बेनिमालन अर्ल गैलरी-

इस गैलरी में इस बक्स दुनिया की सबसे महादूर पेंटिंग 'मोनालिसा' प्रदर्शन के लिए लाई गई है-

और प्रदर्शनी के आयोजक इस पेंटिंग की सिक्योरिटी को लेकर सतर्क आडरस हैं-

क्योंकि एक तो स्पेसी की कड़ी छींटियर सुरक्षा और उस पर पेंटिंग के सिक्योरिटी में सगे कर्मचारी गार्ड्स-

यहाँ पर परिन्दा तो क्या, सब्जी तक पर नहीं मार सकती-



सब ठीक है न जजन ?
यहाँ पर कोई गड़बड़ तो
नहीं हुई है ?

नहीं सर! सब
दुरुस्त है!

सब दुरुस्त नहीं
है! ये गंदे जनों के
निष्ठान कैसे हैं ? कल
गंदे जने पहनकर
यहाँ आया था!

ओ माई
गॉड !

सि... सि...
सिक्योरिटी
स्कान बजाइस
सर !

क्यों ? सफाई
कल्लों को बुलाने के
लिए !

नहीं सर ! ये जनों
के निष्ठान सिक्योरिटी
बालों के नहीं हैं !

व्हाट! खली... यहाँ
पर कोई आया था! कौन-साकर कहना हूँ सर किये
आया था ? न तो कह
रहा था कि कोई नहीं
आया !

में भगवान की कसम
पर कोई आया था! कौन-साकर कहना हूँ सर किये
निष्ठान हो सिनेट पहुँचे
यहाँ पर नहीं थे ! और
पिछले मल घटो में बहो मे
न तो कोई आया और
न ही गया !

तो क्या
यहाँ पर कोई भूत
आया था !

यू
आर
सस्पेंडेंड !

जाओ
अन्ना ऑन
कनो !

पर मैं तो सस्पेंडेंड
हूँ, सर !

जाओ

अन्ना की अन्ना पूरी स्के सी में गुंज डी - आप सब
बाहर जाओ !
नरन ! स्टीव
डोर बंद होने
बाले हैं !

देखते ही देखते अर्ध-गैलरी दर्शकों से खाली हो गई-



ये मुझे कहां ले
आए हैं। मामने ले
ऊंच संवेंसी है। लेकिन
मेकिल...

... कुछ मड़बद है। जोरा अपने
हूय बाहर आ रहे हैं। सिब्योसिटी
अले अपनी-अपनी पोजीशन ले रहे
हैं। और स्पर्स की अक्ल वहां
तक मुताई पड़ रही है।

मैं समझ गया
होसने। तुम जानते हो
कि, यहां पर ये सी को
मुसीबत है जिसको मैं
ही संभाल सकता
हूँ।

लेकिन मुझे डर है
कि संवेंसी की सुरक्षा
मलेसीन अपने काम में
मुझे दांस आइले
देगी।

मुझको चुपचाप
अंदर जाना होगा, और
चुपचाप ही मड़बदी फैलाते
जबो को बुंदना होगा।

और इस काम में
मुझे नुस्सारी मड़ब की
अकल पड़ेगी।

रेडी ?

चबी-जीईईई

अरे! सकारक चमगादड़ों का यह झुंड कहाँ से आ गया? यह तो बावलों की तरह हमारे ऊपर बँट रहा है!

यह 'बावल' ने कहा ही नहीं आया था -

यह 'बावल' एक अद् थी -

धैर्य दोस्तों! अब सिम्योपिटी वाले मुझको स्टार लाइन पर चलकर फिंसी तक पहुंचने का देखा नहीं पाएंगे!

हमारी इयटी चमगादड़ों पर लज्जर रखने की नहीं है! आकस्मिकों को बूंद बर्न हमें भी चमगादड़ की तरह उल्टा लटका देंगे!

चमगादड़ों का बावल! हूँह!

क्या ही पलों बाद झुंड फिंसी के अंदर था -

अब जानओ कि मुझको ज्ञान किधर है?

इस तरफ! आ. के.!

अरे! यह चमगादड़ सकारक जल कैसे डल?

सकारक! वहाँ पर अदृश्य 'लेजर गिड' है -

लेकिन अब क्या गिड को देखने का तरीका मुझे आता है!

सुख सिम्यल फिंसी की मदद लेनी होगी!

धंस की पत्नी को नमानी लेजर गिड की लकीरें अब स्फ लज्जर आ रही थी -

तुम लोग 'लेजर-बिह' को देख नहीं पाओगे! इसीलिए तुम लोग मुझे देखना! मेरे पीछे-पीछे आना!

और उतनी ही आसानी से धुव, अद्भुत कलाकारी का प्रदर्शन करते हुए उस स्वतन्त्र लेजर बिह का पहर कर रहा था-

समतलकों की सुनने की क्षमता कमजोर पड़ रही थी! लेकिन वे धुव की हर एक बात को आसानी से समझ रहे थे-

धुव के कारण 'फायर सिस्टम' भी सब्डीबेट हो गया था-

ओफ़! चाली से फायर शकलम धिकना हो गया है! ये फायर-विकेंस सिस्टम किसने सब्डीबेट कर दिया है!

लेकिन धुव द्वारा छोड़े गए धुंसा ने एक नक्काश भी कर दी थी-

जीन सामने देखो!

डायर किसी ने ये सिस्टम सोच-समझकर ऑन किया है!



पानी की कुहरों के बीच में रुक, अचूक आकृति साफ बन आ रही है! और उसके हाथों में पेंटिंग जैसी चीज भी है!

फायर!

गोलियों से बेझाकीमनी सेनाब्रिगा को नुकसान पहुंच सकता है, इसको पकड़ना होगा!

मैं जानता था कि सेनाब्रिगा से अच्छा सुरक्षा कवच मुझे मिल ही नहीं सकता है!



हेलो, कंट्रोलरूम! हमने जोर को देख लिया है! वह किसी उपकरण का प्रयोग करके अचूक हो गया है! नुरत धर्मल स्केजर को भी ऑन कीजिए!



गुरु आइबिना केप्टन!

धर्मल स्केजर से हमको जोर का इशारा साफ दिखेगा!

क्योंकि धर्मल स्केजर, इशारा की बाती से जोर को सुनेगा!

लेकिन अगर जोर निकल आता तो ये कैसे पता चले कि कोन सा हमारा ऑफीसर है और कोन जोर?



हमारे हर ऑफीसर की यूनीफार्म 'धर्मल स्केजर' पर नीले रंग की लज्ज आती है! जबकि जोर लाल रंग में लज्ज आता!

देखो, दिग्ग रंग है न?

लेकिन वो तो हमारे ऑफीसर को पीटकर भाग रहा है!

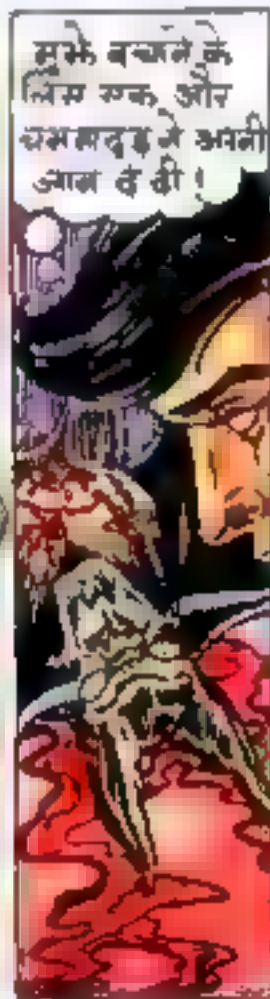
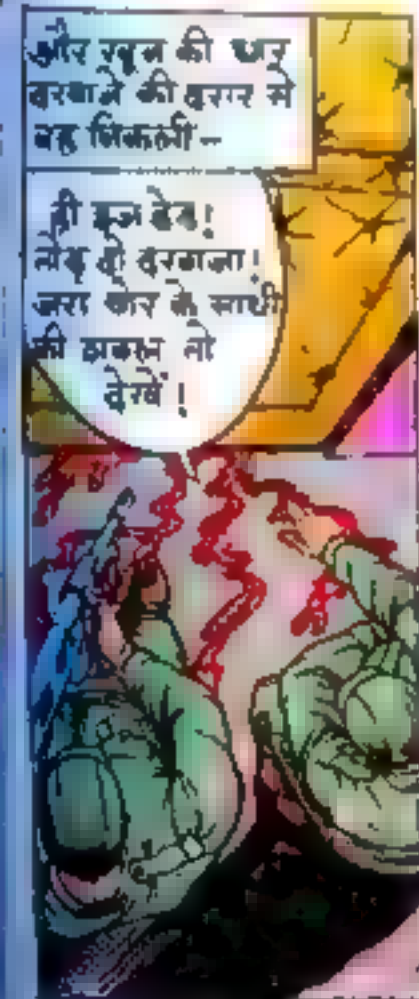


धर्मल स्केजर से बचकर तो कहाँ जायगा?

आपका अपने साथी के पास!

साथी के पास?

यस! ये देखो! इस स्क्रीन पर एक दूसरी लाल आकृति लज्ज आ रही है!





पर ये सिक्वोरिटी वाले मुझे दरवाजे के पार भी कैसे देख रहे थे!

ओह! धर्मल इमेजर! यानी पूरी दुनिया की धर्मल स्कैनिंग की जरूरी है!

धर्मल स्कैनिंग करीर की जर्मी के माध्यम से किसी को भी ठुंढ़नी है! अब करीर की जर्मी को मैं कैसे छुपाऊं?



ये मुझे 'धर्मल स्कैनिंग' से डेरा रहे हैं! लेकिन मेरे पास इसका इलाज भी है!

मुझे 'धर्मल रेजिस्टेंट मेयर' और करनी होगी, और वह लेयर धर्मल किरण को सोखकर मुझे 'धर्मल स्कैनिंग' से छुपा लेगी!

चोर ने हाई टेक्नोलॉज का सहारा लिया था और मुझे ने सिक्वोरिटी का-

अब मुझे गुप्त और मेज रास्ते से चोर तक पहुँचाना होगा! जल्दी, ये ठंडा पानी मुझे ज्यादा देर तक धर्मल स्कैनिंग से नहीं बचा पाएगा!

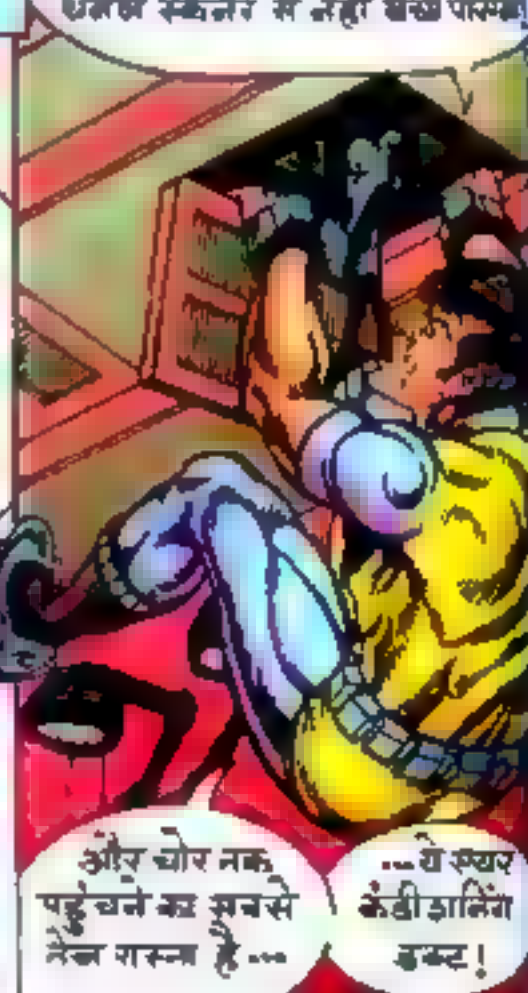


अरे! चोर की इमेज धर्मल स्कैनिंग से साफ हो रही है!

और इसके साथी की भी! पर कैसे?



उहू \$\$\$ बड़ा ठंडा पानी है! लेकिन ये मेरे बदन का तापमान कम करने मुझे धर्मल स्कैनिंग से छुपा लेगा!



और चोर तक पहुँचने का सबसे तेज रास्ता है...

...ये स्प्रिंग केंडी डालिंग डबल!

ये इन्क्रेडिबल इमारत के हर कोने में फैले हुए हैं। ये मुन्कड़े मेरी मंजिल तक पहुँच भी नहीं पाएँ और मुन्कड़े उन्हें सबकुछ मुझे धर्मशायी में ही बेचाएँ रखेंगे।

आहो! इस वक्त कलम और, और मेरा काम पूरा हो जाएगा! मैं जानती... और चकलबल सोलारिसा को चुराने वाला चोर बन जाऊँगा!

ये से भई! दकलान मत! वहाँ मेरा भंड खुल जाएगा!

ये शकल अभी काफी बुरा हुआ है! इसके स्मल्ल होने तक मैं जरा आराम कर लेना हूँ!

इस रूम-कमोजेट में! जहाँ पर अड-लेफ्ट रखे जाते हैं! किसी को सप्ते में भी मुझे यहाँ टुंटे का खयाल नहीं आ सकता!...

...हे SSS ये चमकटक कहां से आ गया?

और... और ये मुझे देख भी सकते हैं!

क्योंकि ये अल्ट्रासोनिक साउंड की मदद से देखते हैं!

मैं इनसे छुप नहीं सकता!

और न ही तुम मुझसे कुछ
सकते हो ! क्योंकि मैं जानता हूँ
कि जहाँ पर ये चमत्कार होय
वहीं पर तुम भी होगे !



आइस ह ! तुम्हें
कौन ? जिसको मैंच
अभी सी की सुरक्षा
सजेकीज मिलकर भी
नहीं बुंद पाई , उसे
सकता ?

तुम्हें तो मैं एक सेकंड में
खत्म कर दूँगा ! बर्नो इनकी
आवाजें सुनकर सिक्योरिटी
गार्ड्स भी यहाँ आ
धमकेगा !

ई वाइस



आहहह!

और का झटका लगे
और से! अब पैसा मूल्यवाना
चकल्लस और स!

हाथ भी
मलवा ले इस बार
राख में बदल जाओगे!

आहहह!

रुक जा! वहीं
रुक जा! वहाँ मैं इस
बेअकीसती पेंटिंग के
पिछड़े कर दूँगा!

अगर ये मेरे हाथ
नहीं लग सकती तो
किसी के भी पास
नहीं रहेगी!

सेसा है ते में
तुझे हाथ नहीं
लगऊँगा!

लकड़ी पर तेरा
कॉन्ट काम नहीं करेगा
चकल्लस बार!

अरे बाहू! ये धमकी
सक बार फिर काम
आ गई!

इस बार मैं तुझे
नहीं छोड़ूँगा!

और न मूक पर बार नहीं कर पाऊँगा
क्योंकि तुझे दूध सकलने वाले बमरादूह
भी रुक-रुक करके नेहोका हो चुके हैं!



अब मैं तुम्हें...

अरे! कहाँ गया?



मैं यहाँ हूँ, चकल्लस!

अरे! अरे! आकर सामने मे आ रही है पर तू ठिरेब क्यों नहीं रहा है?

क्यों? लयब होने का लडसेंस क्या सिर्फ तेरे पास है?

लेकिन उसने तो कहा था कि ऐसा सिर्फ एक ही 'कॉम्प्यूस' है! और वह कॉम्प्यूस उसने खुद बनाया है!



मुझे गायब होने के लिए कॉम्प्यूस की जरूरत नहीं है!

आऊSSS

भून दे! ये भून दे! वे तो बिना कॉम्प्यूस के गायब हो सकता है!

और मुझे गायब... सनलब अदृश्य रूप में भी देख सकता है!



दुर्भाग कैसे नहीं बीसे फर्क पर तेरे बुलों के मिछान जो ठिरेब रहे हैं!

अब मेरा स्टैब फु चिपकाया गया भाइयों खोल फिर से काम आसल!

अब निन्का रहन चाहने हो तो...



कीछे सी नहीं है!

मैं यहाँ हूँ, चकल्लस!

... मोनालिसा को
पीछे रख दो!

र... सब दिख!
सब दिख!

लेकिन चकल्लम ने अपना
मौका नहीं लिया था-

चकल्लम के हाथों से अलग होते
ही मोनालिसा फिर से स्फट नजर आने लगी-

और मेरे पीछे नहीं मेरा काम तो ले
आ जाएगा! खैर कुछ ही मया है!

यही मौका है!
अब मैं इस भूल से
बचकर भागूँ! ये तस्वीर
संरक्षित के चकल्लम में यहाँ
भक लग रहा!

ओह! कौन

ब्रूम-कमिन्ट
का इरगल रघुभा
है!

कोई इसी
से बाहर आया
है!

जानो! अंदर
चलकर देखते हैं!

अरे! मोनालिसा
तो यहाँ नहीं है!

ये यहाँ
पर कैसे आ
गई?

लेकिन तबना है कि
चकल्लम हाथों से निकल
गया है!

सब और हाई-
फाई गैरी का
प्रयास और चोर
किसी को नजर
नहीं आया,

कैसे भी आई
हो! यैक गॉड कि चेंडिंग
इसको गायब लिख गई!

आखिर ये
हो क्या रहा
है?

रहस्यमय कोरियों का
करना यह था-

और जबरधन को दुबले की एक प्रतिक्रिया-

एक दिन बाद-

टेन मिलियन डॉलर का
यह कांटेक्ट मुझे ही मिलना
चाहिए मैं हूँ। मैं अकरधम
में मुर्तियाँ भी ले आया और
किसी ने मुझे देखा तक
नहीं!

इसका काम तो आसान
था मैं हूँ। मेरे जैसा पुलिस हैब
कन्वर्टर में घुसने का काम करना
ने इसको पता चलना। अकरधम
में बीस पुलिस वाले थे तो पुलिस
हैब कन्वर्टर में पांच गैर! सही है
कि मैं हीरे नहीं ला पाया पर मैं
उन तक पहुँच ने गया हूँ।

कांटेक्ट का असली
हुकदार चकल्लस है मैं हूँ।
अपने मुँह से पेंटिंग चुराने को
बाजने को नहीं कहा था, पेंटिंग
तो मैंने सफलता से चुरा ली थी।
अगर आप इसे छानने को कहती
तो मैं उसे भी ले आता!



हाटअप! हाटअप!
हाटअप!

अकरधम और पुलिस
हैब कन्वर्टर के निम्नोरीटी
कमरों में नुस दोनों की चेहरे
रखेंच रखी है। कांटेक्ट
अपराधी बन चुके हो नुस
दोनों छानिए और!

और नू चकल्लस बड़ी-बड़ी
डिंके हांक रहा है। जैसे कि मुझे पता
ही नहीं है कि नू अब से फिट कर आया
है। अरे मेरी ड्रेस में मैंने कैमरा भी फिट
कर रखा है!

मैं हार गई। हार गई।
मैं जैनों का टेम्पल होने के
बाद मैंने उनमें से इन तीनों
को छांट था। लेकिन वे
तीनों भी बेकार और
निकम्मे निकले।

अब मैं क्या करूँ ?
कहाँ से लाऊँ वह महावीर
जो मेरा काम कर दे !

... ये कि जूल
की कलायत नहीं
करती पढ़ती, जिस
किसर !

कहा बकेकर !
पेंटेस्ट थीफ ऑफ
द वर्ल्ड !

कुछ दोस्तों से पता
चला कि तुम दुनिया का नंबर
वन थोर हुनू रही हो ! बस मैं
तुम्हारे बेकान तुम के लिये
जाजीब से होवा चला
आया !

कैकर को
याद किया होता
नो...

लेकिन तुम
अंदर कैसे आ सक
इस हवेली के
बाहर तो...

बाहर पंद्रह ऊई तैनात
हैं। चार सेनहोर पर हैं। रजरह
कोरीहोर में हैं। पढ़नी मंजिन
पर स्थान राई तैनात है। पूरी
हवेली में सत्ताडस रजफिया
कैमरे लगे हैं।

यहाँ से
भवाते के लिये
जर रजफिया
रक्ते हैं और...

बस, बस,
बस ! पूरी पोल
सन सौनी ! इस
तुमसे बहुत
प्रभावित हुस !

कौन हो
तुम ?

इतने गॉड, कैमरा और
सिंक्रोराइटी सिस्टमों को बकवास
कर भरे इस हॉल तक पहुंचना
सामूली काम नहीं है, लेकिन नुम
यह कैसे साबित करोगे कि नुम
चोरों के चोर हो! बेस्ट चोर!

नुमहारी लैब में वे सारे
गैजेट चोरी करके जो नुमने
उन तीन छेदों में चोरों
को दिए थे! और जिनके
दम पर चोरी करके वे
अपनी काबलियत का काम
भर रहे थे!

हा हा हा
हा हा!

हंस क्यों
रही हो मेडम मिस
किलर?

इस हॉल में घुस-
कर यहाँ तक पहुँचना
एक माइक्रो कामजोर
है सिंक्रो कैमरा!

लेकिन मेरी लैब में
घुसकर चोरी कर पाना
असंभव काम है!

मेरी लैब तक जाने वाले
सकभूत कोरीडोर में इलेक्ट्रिक
डोंकर फिट है (लेजर डिवाइस)
है! कोरीडोर का दिवाले बाला
कबोकर लगा है! लैब के दरवाजे
में खरहू मौ नोस्ट का कंट्रोल
होना है! इसमें तीन अलग-
अलग सिंक्रोराइटी अलार्मलस
हैं! पहली स लीवर वाले खर
इलेक्ट्रिकल बॉक बरो नुम
है! दरवाजों के ठीक अंदर
लेजर गैजेट्स मशीनलस लगी
हैं! वो भी खर-खर!

उस भरे सारे गैजेट मेरी बेसल
इ बेसल की मेफ में रखे रहने हैं! उस
मेफ के दरवाजे को न कोई काट सकता है न
बाला सकता है और उसके लॉक सिस्टम का
सर अलार्म कोई खोला नहीं सकता! सब बेसल
मड बेसल बाला भी नहीं! और मेरी मेफ के
अंदर रखे हैं...

आपके ये सारे
रोजेट! यही है
न?

क्याट? ये तो... पर कैसे?
समझिए! आई कंट बिलीव
तुम लो...

यस, तम अचमूच नेबर वन
चोर हो मिस्टर कैकुर! मिस
किलर तुमको ठेकी है इस मिलियन
डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट!



इतने पैसे? जऊ!
लेकिन मुझे इतने पैसों
के बिना करना क्या
होगा?

समय
आने पर वह
भी बता दूंगा
जायगा!

तो जब समय आएगा
मुझे सोचाइल सार लना तब
तक कैकुर खाती मर्जी बैठ
सकना! इंडिया आया हूं तो एक
हो फटाफट चोरियां भी बन लेना
है! क्या सक्सपीरिंग्स होगा!



और आखिरी
भी! इंडिया आया
हो तो दुरिस्ट बनकर
घस फिर लो! इंडिया
की निगरानी नागराज,
भुव और योगा जैसे
बहुगुंड गुरु, सुपर
ही राज करते हैं! मेरे
काम करने से पहले
इंडियन जेल की गैर
पर मत चले जाना!



ओ.के., ओ.के., थैंक्स
फॉर सबनइज! कैकुर दुरिस्ट बनकर
ही इंडिया में घुम लेगा!

इस महापकृपा का एक
आश तो सफलतापूर्वक पूरा
हो गया था-

अब तुम्हारे भाग की
झुक आत होनी थी-

अ, मैं इस! आप बात
सकती हैं कि मिस्टर नारायण
कहाँ पर मिलेंगे?

पूछा नाम बताइगा धिक्का?
नारायण सिंह है, नारायण
शर्मा है! अच्छा छोड़! पता
बना है!

जी, मैं सुपर हीरो
नारायण की बात कर रहा
हूँ। वे जो कलाइयों में सोंप
झोड़ते हैं न, वही।

ओ, अपना हाथ
नारायण धिक्का! उसका
संकेत तो कोई है ही नहीं
होम्स तो अपना ज्ञान
नहीं!

मैं क्या, नारायण किधर
को रहना ये कोई नहीं
जानता!

तो फिर नारायण
मुझे मिलेगा कैसे?

ठीक है!
संझा है तो
फिर संझा की
होगा! धैर्य
मैडम!

और इसके भिर मुझे
कोई भी रास्ता अपने
की छुट दी गई है।

देख! मैं मेरे
को एक सीधा सा रास्ता
बताता है, जिधर जड़म
होसगा, प्रोब्लम होसगा,
उधर इसी हिस्टोरी पढ़ें
जाने का।

वेद कबने का! नारायण
दो सेकंड में उधर आसगा!
देन यू सीट हिम!

हालांकि ये निशानों के
विस्तृत है! लेकिन फिर भी
मरा पहला काम नारायण
नक पहुंचना है!

कंदु सर्प!
विध्वंस कर!

एक विद्वान 'बैटरिंग बॉल' की तरह कंदू सर्प ने महाजनगर पर धाक लेल दिया-



और छिपे खाकर टकताती गेंद की तरह कंदू सर्प का अवांछित निहाना क्या होगा, यह बत पाना असंभव था-



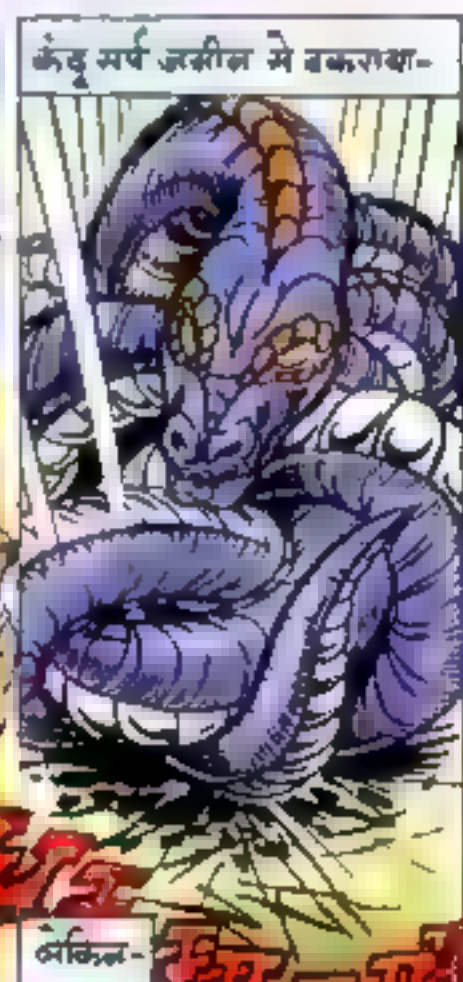
भइया! ये क्या है भइया?

पता नहीं, बिहरी! बस भइया!



ये तो इधर ही आ रही है भइया!

ई SSSS



कंदू सर्प जमीन में डकता था-

वेकिन-

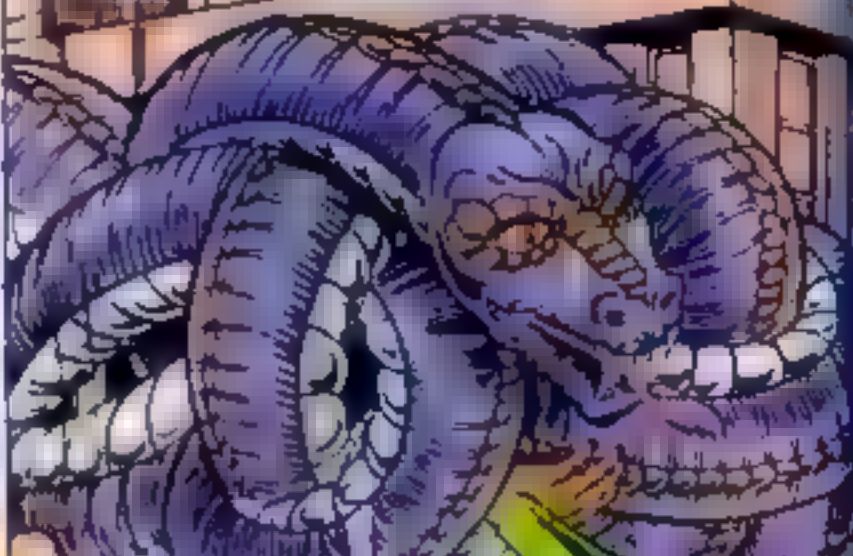
हम नमस्ते

अरे! कंदु सर्प टिप्पता
स्वाकर अपने अकसे निगले
के बिस दुखला कहे नहीं?

बिचुंसा
के जाना गद कंदु
सर्प! बर्त...

नागराज
के मे असम...

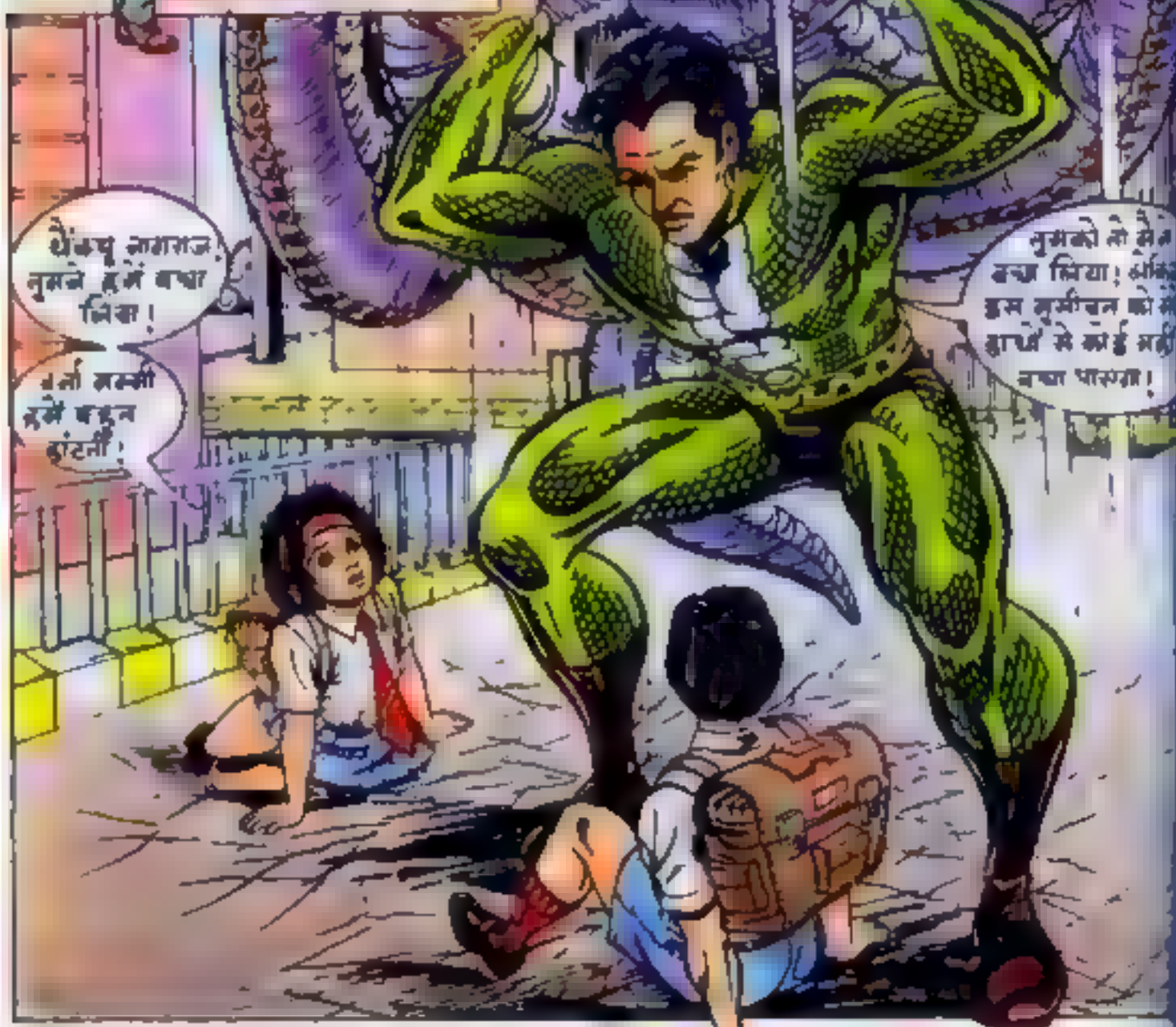
आ मख!
यही है नगराज



थैंक यू नगराज
नुसने हमें बचा
लिया!

बर्तो नमसी
हमें बहुत
डांटनी!

नुसको तो मैं
बचा लिया! धीक
इस नुसीन को मैं
हाथ से काट नहीं
बचा पाऊगा!



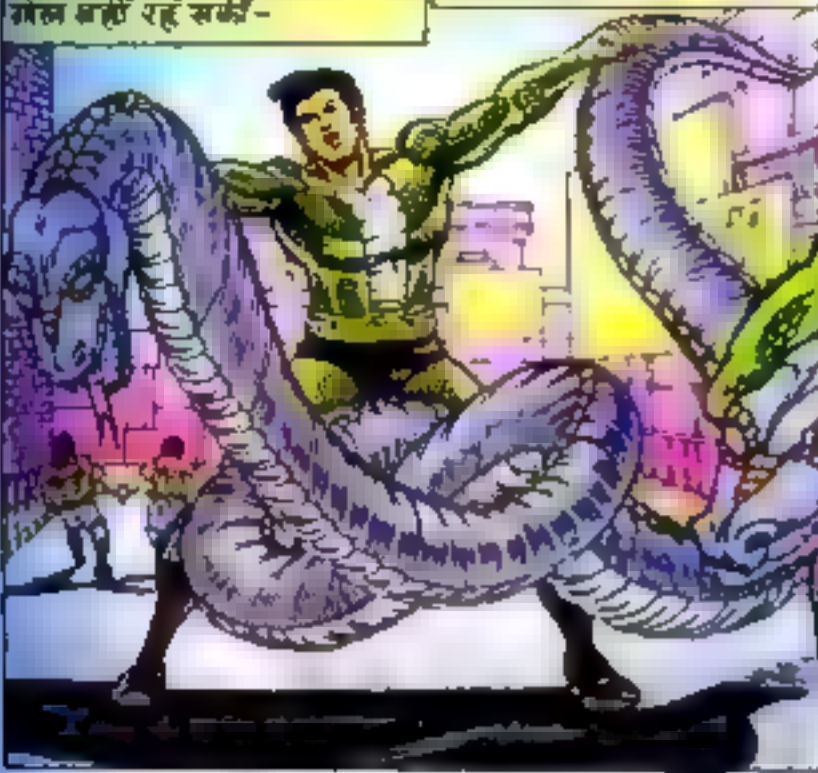
नागराज की अदभुत ताकत अग्नि के सामने कंदु सर्प की कुंठनिचां खेल नहीं रह सकी-

कंदु सर्प को नागराज ने कच्चे भाँसे की तरह खोल डाला-

और-

अब ये शंठ मेरे छाँरी में सब तक लगी रहती, जब तक न ये बर्छी बनाए...

...कि नू है कोन और ये मोबफेद क्या कर रहा था!



ये जो कुछ भी कर रहा था...



...मेरे कहने पर कर रहा था। का मेरा सम्बन्ध कारण तुमको भ्रमना था।



तुमको अपने साथ से जल चाहता हूँ! नगराधीश में सम्मन लेकर आया हूँ! के समझ प्रस्तुत होना है!



फिर भी मैं नेकार हूँ! इस विध्वंस का कारण मैं नगराधीश से स्वयं ही पृथक् हूँगा!

छिंक है नागराज तुम्हें उन्मीद नहीं थी कि तुम इतनी अमानी से बातें लाओगे। लेकिन अनुराग के अनुसार मैं बंदी बनाए मे पहले तुमको बताना दूँ कि...

नगराधीश के समझ! आकर इतके आपस सर्प का केसरा करने के बिना मेरी शक्ति की अवधारकता है।

परन्तु सम्मन भेजने का यह तरीका गलत है।

बंदी! तुम मुझे बंदी बनाने आस हो ?

हाँ, नागराज! तुम पर मेरा आभिनय के दुरुपयोग का आरोप है!

अपने ऊपर आगे आगे
को मान लो और नागाधिया
का त्याग करके मेरे साथ बंदी
बनकर नागाधीश के समक्ष
चलो.

मैं समझ गया है
कोई बदला है! अब
तुम मुझे नागाधीश
का नाम लेकर बहुत
रहे हो, ताकि मैं बंदी
बन जाऊँ और मेरे
दुश्मन मुझे अगला
से खत्म कर सकें.
ऐसा नहीं होगा.

तुम समझ नहीं रहे हो नागराज:
मैं नागाधीश का सेवक पांडा सर्प
हूँ! और नागाधीश ने मुझको जिन
धातियों को देकर भेजा है उससे
कोई भी नाग या नागाधिया
धारक बच नहीं सकता!

ये कहानियाँ
सुनकर मेरा मन
बल नहीं गिरता
पांडा सर्प!

इतना तो मुझे
पता है कि आरक्षक
सर्प को किसी और
ने भेजा था!

हायत उसी ने
तुमको भी भेजा है.
और वह है कौन, व
नागराज तुमसे जान
कर ही रहेगा!

तुम जिस आरक्षक
सर्प की जान कर रहे हो उसका
उसकी करनी का टुकड़ा मिल
चुका है

लेकिन तुम्हारे
अपराध का फैसला
होना अभी बाकी
है!

इसीलिए प्रतिरोध
करना बंद करो और
चुपचाप बंदी बनकर
मेरे साथ चलो.



मगधराज जहाँ भी जाता है, अपनी मर्जी से जाता है।

हा हा हा! ये लाल ली लाल संहिता के कानून में बंधे हुए हैं। ये लाल-संहिता के रक्षकों को हानि नहीं पहुंचाएंगे!

...ले नुम्हारे खुद के साथ पहुंचाएंगे! आ \$\$\$ ह!

अगर मेरे साथ तुमको हानि नहीं पहुंचा सकते...

तुम्हें अपने ही स्थानी को घोट पहुंचाई जाय ?



आ मगधराज के पास जा और अपनी सज्ज भुगत!

अरे! ये लाल तो मुफ्त हो गया

मगधराज की हानि से मैं नुम्हें बंदी बनाता है, मगधराज!

ऐसा मैं हर लाल के साथ कर सकता हूँ! पर तुम मानव लाल हो!

इसीलिए तुम पर ये हानि काम नहीं करती! वरन् तुमको मगधराज से मुक्त करने के लिए मुझे स्वयं नहीं जान पड़ता!

अरे! कहाँ गल!
बंदी गृह तो सबली है!

मैं
यहाँ हूँ!

और अब नुम्हारी
कानि का केंद्र यह दंड
मेरे पास है!

अच्छा! तो
नुम्हारे पास गणब होने
की कानि भी है!

लेकिन यह दंड
ज्यादा दूर तक
नुम्हारे पास रह ही
सकता

यह सही कह रहा है!
दंड अपने आप इसकी
तरफ़ चिक्चकाता जा रहा है!
मैं इसको ज़्यादा दूर तक
गेक नहीं पाऊँगा!

लेकिन अगर दंड इसके पास पहुँच गया तो
मैं बचूँगा नहीं! मुझे दंड को इससे दूर करना ही पड़ेगा!

और इसका सबसे
अच्छा तरीका ये है!

ये क्या किया
नून, लमराज!

और ये कम नून होना
मैं अपने के कह आराम में
कर सकते हूँ!

पृथ्वी की ऊपर में घुमने
उपग्रहों के पास भेज दिया है!
अब वहाँ से दंड को बुला सकते
हो तो बुला लो पाहनाम!

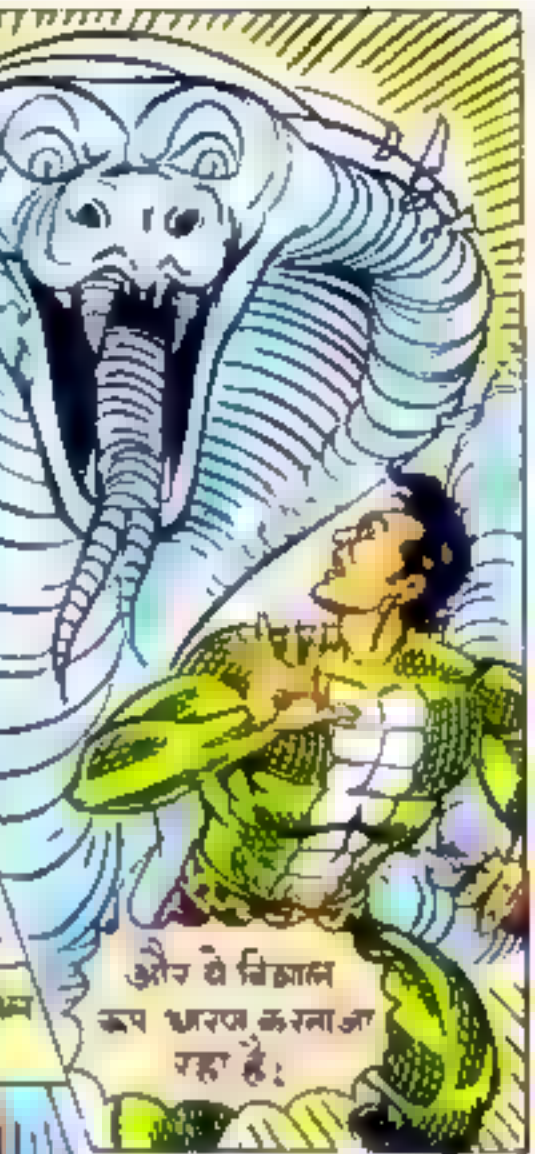
आइस हू! ये बिच!
ऐसा बिच तो किसी भी नारा
के पास नहीं है!



आइसई! अब और
कोई रास्ता नहीं है!
मुझे अंतिम महाअस्त्र
का प्रयोग करना ही
पड़ेगा!



अरे! ये कैसा जाग
है? इसका डरीर तो चक्र-
कली वायु का बना हुआ
है!



और ये विह्वल
रूप धारण करना जा
रहा है!

नगराज के कुछ समझदारों
में पहले ही नगराज वायुनाग
के संहार के अंदर था -

और वायुनागने उसके किमी अंजन संज्ञित
की तरफ स्वीचनी ल गयी थी-



हम डाकने से निपटला
नगराज के बल की ही
बान नहीं थी-



और उसका सम्मिश्र भी
अंधेर में डूबना चला गया-

और पता नहीं कितनी
देर के बाद-

उठे
नगराज!

आंखें
झोको!

मुकदमे की कार्यवाही
शुरू होने वाली है!



नगराजी का
नगरपालय में पधार
रहे हैं!

सभी
सुबे हो
जायें!

नगराज पर आरोप है कि, उसने
नगराजधियों को सार्वजनिक में धरम
किया, सार्वजनिक को नगराजधियों से
लाभ पहुंचाया, और नगराजधियों
का प्रयोग नगरों के विनाश ही किया।

आरोप न्याय
हो चुके हैं!

आरोपी नगराज
को नगरपालय में
प्रस्तुत किया गया



कृपया अब
सभी बैठ जायें!
नगरपालय की
कार्यवाही आरंभ
होती है!

पहली
सुनवाई आरंभ
हो!

प्रथम सुनवाई नगराज
बनाम नगराजधियों, सुनवाई
संख्या 4228 है!

और ये तीनों ही
नगराजधियों की धारा
138 के अनुसार
आपराधिक, भ्रष्ट में आते
हैं!



नगराज, नगरपालय
में हाजिर हो!

नामराज को इस पर
लगे अपेक्ष सुनाए
जाएँ!

उसकी आवश्यकता नहीं है, सामंजस्य लागू कीजिए !

मैं अपने ऊपर
नते आरोपों को मुक्त
चुका हूँ, और उन
सभी आरोपों से
इंकार करता हूँ।

ठीक है! बस
 तुम अपनी तरफ से
 किसी अनुभवी नायक
 बकील को नियुक्त करना
 चाहोगे या नारायणराय
 तुम्हारे लिए अपनी तरफ
 से एक नायक बकील
 नियुक्त करे !

मैं अपना
बचाव खुद
करूँगा !

परंतु उससे पहले
मैं ये जानना चाहूंगा
कि ये आरोप मुझ पर
किसने लगाए हैं।

हे आनोपतुम
पर आरुपार न्यासक
सर्प ने ब्रह्मास्प हैं
जिसको सजा दी
ज बुद्धि है

अब नगरपालिका की
नरक से नगराज से पूछताछ
प्रारंभ की जाय: आधिकारिक, बकील
फनीलाहा कार्यवाही आये बतायं।



श्रीमान नारायण, क्या आप नारायण को ये बनाने का कष्ट करेंगे कि आपको ये नारायणियाँ कम और कैसे मिलें ?

ये नारायणियाँ नन्हा से ही मिल पाय हैं !

यानी ये नारायणियाँ आपको न तो किसी ने दीं और न ही आपको किसी से मांगी !

बिल्कुल ठीक ! जहाँ तक मैं समझता हूँ मेरी नारायणियाँ देव नारायणों के आशीर्वाद के कारण हैं !



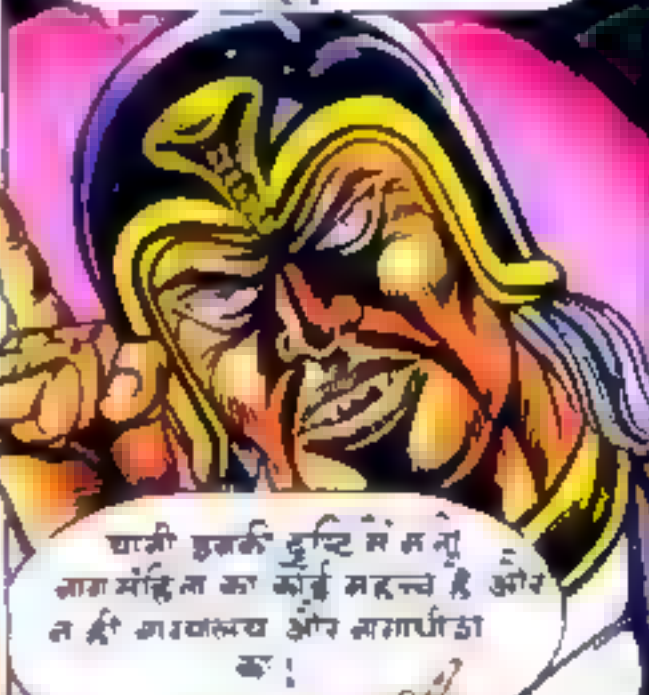
और लोगों के देव, देव काय-जयी के, नारायण का प्रयोग अपने लोगों के धिक्कड़ ही किया !

मिर्च, पुराना किराना जो आपराधिक प्रवृत्ति रखते हैं और बिनाडा फैलाने हैं !

और ये अधिकार आपको किसने दिया कि आप लोगों पर अपनी नारायणियों का प्रयोग कर सकें ?

अपराधियों और बिनाडाकारियों का संकलन हर शाही का कर्तव्य है ! दुमके, धिक्कड़ किसी की आज्ञा के बिना आवश्यकता नहीं है !

इयान दिया जस माननीय नारायणों ! नारायण अपने आप ही यह निर्णय ले लेते हैं कि किस किस प्रकार से नारायण, पीटनी या समझाना है !



यानी इसकी दृष्टि में न तो नारायणों का कोई महत्त्व है और न ही नारायणों और नारायणों का !



अब... आप मेरी बात को नाउ समझ कर पड़ा कर रहे हैं, फलीलाध ! मंच तो यह है कि मुझे नारायणों या नारायणों और नारायणों के बारे में पहले पता ही नहीं था !

इस बात पर भी और कुछ जस कि नारायणों के लोगों के विधि-विधान की कोई जानकारी नहीं है ! न तो ये बात हर स्तर के लोग जानता है !

और इसका अनुचित लाभ उठाने इस नगराज ने अपनी नगराजियों का प्रयोग सिर्फ अपराधी नाशों के विरुद्ध ही नहीं, बल्कि पूज्यनीय लोगों के विरुद्ध भी किया!

ये भूठ हैं!

महात्मा कालदुन को नगरपालय में बुलाया जाय!

भूठ-सच का फैसला अभी हो जायगा! क्योंकि अब मैं अपने पहले मराठों को बुलाने आ रहा हूँ!

महात्मा कालदुन नगरपालय में हाजिर हो ११११११

क्या आप आगेपी को पहचानते हैं, महात्मा कालदुन?

और झीझ ही-

हां! ये नगराज है! मेरा मित्र, और मित्र!

मैंने रिश्तों के बारे में नहीं पूछा था। मैंने जब आपने इनको मित्र कह ही दिया है तो यह भी बतना ही ज़रूरी कि अपने मित्र नगराज से आपकी पहली मुलाकात कब और कहाँ हुई थी?

नगराज कुछ अपराधियों के पीछे जगहटीप पर आया था। मेरी इससे पहली मुलाकात वहीं पर हुई थी!

हमारी जानकारी के अनुसार आपके मित्र नारायण से आपकी कई बार मुठभेड़ हो चुकी है। एक दो बार तो आपकी नारायण से टकराने के लिए महानगर भी जला पड़ा था। और नच मित्र नारायण ने आप पर घातक बार भी किया थे। आपके स्थान पर कोई कम डाकिल वाला नाब होना तो इसकी जगह भी जा सकती थी। वह सही है या गलत ?



वरअसल ये सब अजाने में हुआ था !

सही या गलत ?

सही है !

माननीय नारायण ! नारायण अपनी डाकिलियों का प्रयोग करते समय यह बिल्कुल नहीं देखते कि उनके सामने कौन है ! अभी कुछ दिनों पहले ये हम सबके पुज्यजीव महाशय ठेक होचलाम से भी भिड़ गए थे !



नारायण सभी बानों पर गौर कर रहा है !

मेरा ही अनुचित व्यवहार नारायण ने कई महानगरों के साथ किया है। अब मैं अपने दुमरे महारु को बुलाना चाहूंगा। मेरे असले सहाह हैं...



... तक्षकराज, नारायण में लजिर है !



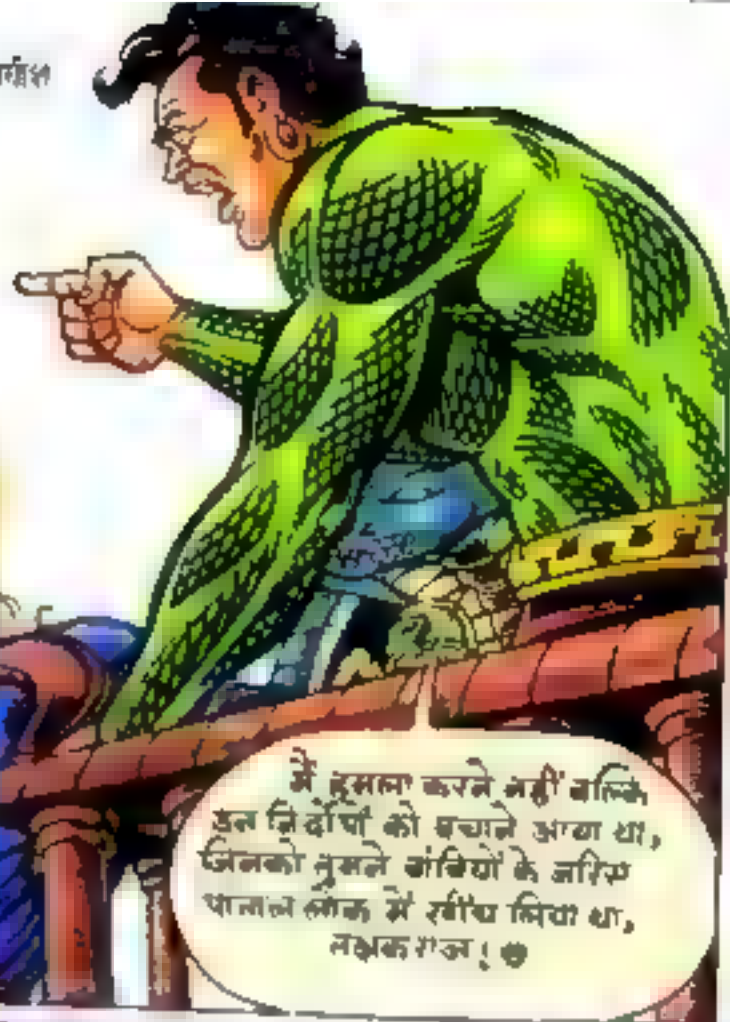
तक्षकराज, हम जानते हैं कि आप सत्य ही बोलेंगे। क्योंकि नारायण के समक्ष कोई भी नाब कुछ नहीं बोल सकता !

नारायण से आप पहली बार कब मिले थे ?

नारायण से मेरी मुलाकात तब हुई थी जब ये पानालोक में आया था !

दुध पीने ? सोज करन ?

जी नहीं! तब तो मैं नारायण
को जलना भी नहीं था! नारायण
शक्ति नारा की एक नारी के साथ
पाल्नाल लोक पर हमला करने
आया था!



मैं हमला करने नहीं बल्कि
उन निर्दोषों को बचाने आया था,
जिनको नुसले बाँधियों के जरिये
पाल्नाल लोक में रबींध मिया था,
नरक राज!

आरोपी नारायण बीच में
रखें! इनको अपनी बात
कहने का पूरा मौका दिया
जायगा!



हां, तो नरक राज, एक
नारायण होने दुस भी नारायण
मे आप पर हमला किया?

ये सच है। नारायण ने
मुझे दो भागों में भी बाँट
दिया था।

और मुझे
घुटने टेकने पर
मजबूर भी कर
दिया था!

तुमको अपनी सफाई
में कुछ कहना है,
नारायण?



अब ठीक कहना है
नारायण! मैंने किसी
भी नारा पर पहले हमला
नहीं किया! मैंने जो भी
किया वह अपने बचाव में
किया, और हर कानून
हर प्राणी को अपने बचाव
की इजाजत देता है!



तुम अपने बचाव में किसी को बुलाना चाहते हो ?

हां, नाबधीअ ! मैं लगदुप की राजकुमारी कुमारी विसर्पी को बुलाना चाहता हूं !

कुमारी विसर्पी को नागदाल में बुलाया जाय !



नागराज ! तुम नागदाल में क्या कर रहे हो ?

मृत्यु पर नागदालियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है विसर्पी !

और मैं चाहता हूं कि तुम नागदाल को सचवाई बताओ !

और ऐसा सिर्फ वृद्धि के कारण कि नागराज कभी इसकी का दुरुपयोग नहीं करता है !



सचवाई तो यह है कि आज के दिन अगर नागों के मुख्य निवास नागदाल का अस्तिन्य बचा हुआ है तो सिर्फ नागराज के कारण :

बर्तन बर्तना, विरंध्य और इनके ही जैसे मना के नागदाली मर्प कभी का नागदाल को नकाह कर चुके होते ! मैं ऐसे एक नहीं, अनेकाने इलाहण दे सकनी हूं, अब नागराज ने नागदाल को और अज्ञान की रक्षा की है ! जैसे कि एक बार...

मक क्षण ! इससे पहले कि कुमारी विसर्पी, नागराज के 'आदर्श व्यक्तित्व' पर प्रकाश डालें, मैं इनसे कुछ पूछना चाहता हूं !



आज्ञा है !

हां, तो कुमारी विसर्पी, क्या यह सच है कि आप नागराज से प्रेम करती हैं ?

क्या ? इस प्रश्न का इस मुकाम पर क्या संबंध है ?

और नागराज से आपका विवाह दो बार होते-होते रुक गया था !

हां, ये सत्य है !

उत्तर दें कुमारी विसर्पी !

इस नदय पर दृष्टान दिया जस माननीय नागा-चीअ कि कुमारी विसर्पी नागराज से प्रेम करती हैं और इनका भाई अभी नागराज की छत्रछाया में है !

इसीलिय नागराज के लिय इनकी सत्ता ही कोई मायने नहीं रखती ! ये नागराज के लिय जो भी बोलेंगी अटका ही बोलेंगी !

और क्या यह भी सत्य है कि आपका छोटा भाई, नागादीप का होने वाला सहाय कुमार विधांक आजकल नागराज के साथ महानगर में रह रहा है ?

आधुनिक ज्ञान के लिय ! वह वहां पर पढ़ रहा है !

नागराज के लिय मो के अनुसार कुमारी विसर्पी की राज ही मान्य नहीं है .

ये तो अन्धाय है, नागाधीअ !

ये नियम पूरे निष्ठा में माना जाता है, नागराज !

आपने बताया कि ये कानूनियां आपके पास जन्म से ही हैं ! क्या आप अपने ज्ञान, पितृ का नाम और काम बता सकते हैं ?

अब मैं वापस नागराज पर आता हूं ! यह तो मैंने व्यवस्था स्थापित कर दिया है कि नागराज अपनी कानूनियों का प्रयोग उर्वर सोचे-समझे करते हैं !

अब मैं दूसरे आरोप पर आता हूं ! और वह आरोप नागसंदिता की धारा 314 के संसीर उल्लंघन के बारे में है !

मेरे पिता नक्षत्राज, नक्षत्रनगर के राजा थे और माता लक्ष्मिता देवी वहां की महारानी !

तबकनगर तो
मानवों का एक
काहर था!

जी हाँ!

नगरवाले यह मान रहे हैं कि वे स्व-
मानव होने के बावजूद भी नाग-
इन्द्रियों को धारण करते हैं और
मानवों के बीच में इन इन्द्रियों
के साथ भी रहते हैं!

तो श्रीमान नागराज, क्या
आप बता सकते हैं कि आपने
जिन 'अपराधी नागों' पर
नागइन्द्रियों का प्रयोग किया
वे क्या-क्या करते थे?

थानी आप मानव
हैं! या वृ कहें कि
अब मानव नाग हैं!

ये तो स्पष्ट
है! और ये सभी मानव
हैं!

मेरा मतलब... वे कब
पर और कैसे बिनाहा
फैलाने थे?

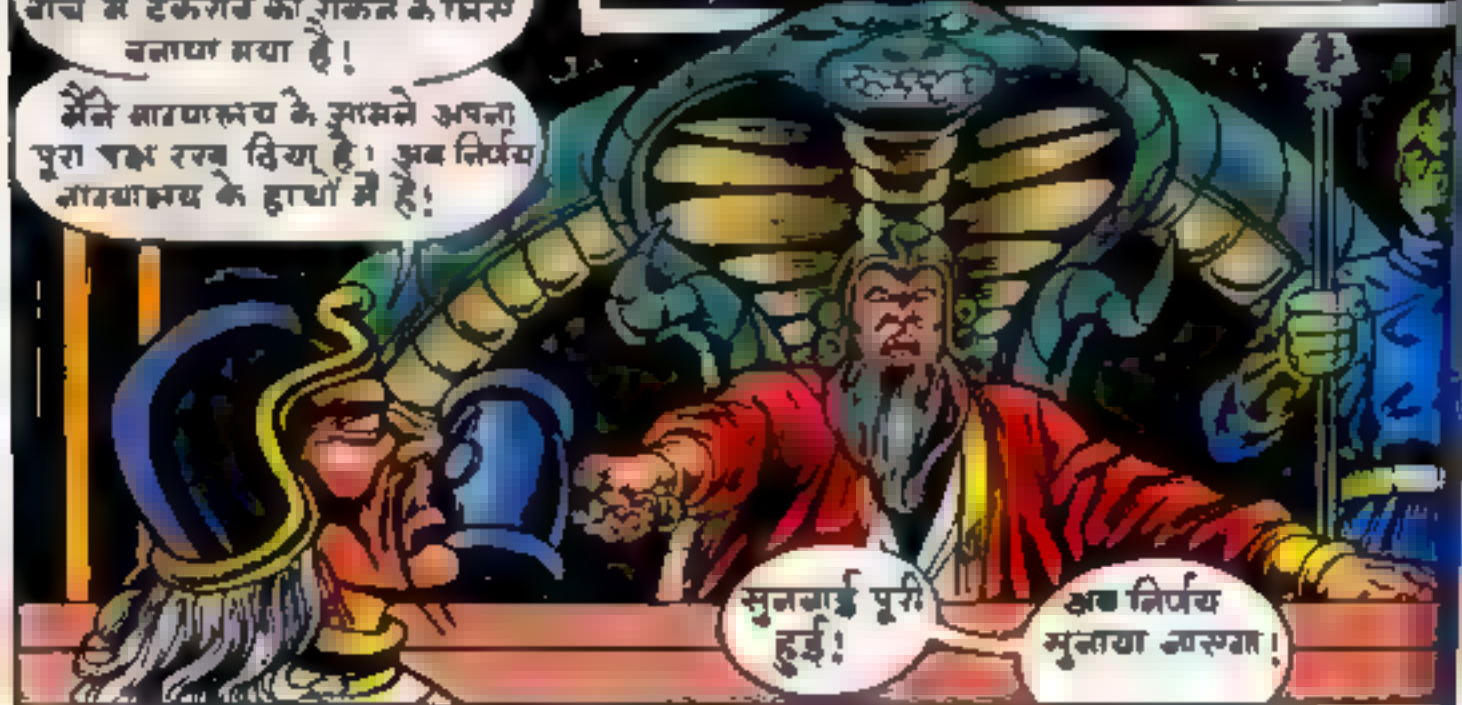
स्वतन्त्र नागाधीश, नागराज को इन
मानवों की कोढ़ चिन्ता नहीं थी जो वह
सुरंग बनने से बेघर हुए! इनको चिन्ता
थी तो मानवों की! नागसंहिता के अनु-
सार कोई भी नागइन्द्रियधारक, सिर्फ
नागों के बीच में रह सकता है, मानवों
के बीच में नहीं!

आपके सामने उसी-उसी
आम्रपार सर्प का लज्जा उदाहरण
है! वह मेढो देन पर हमला
करके, मैकहों नरों खतरे में डाल
रहा था! इसीलिए मुझे इसको
रोकने के लिए इस पर नाग-
इन्द्रियों का प्रयोग करना
पड़ा!

उसी मानवों की
जानें बचाने के लिए
नागइन्द्रियों का प्रयोग
समय के विरुद्ध किया,

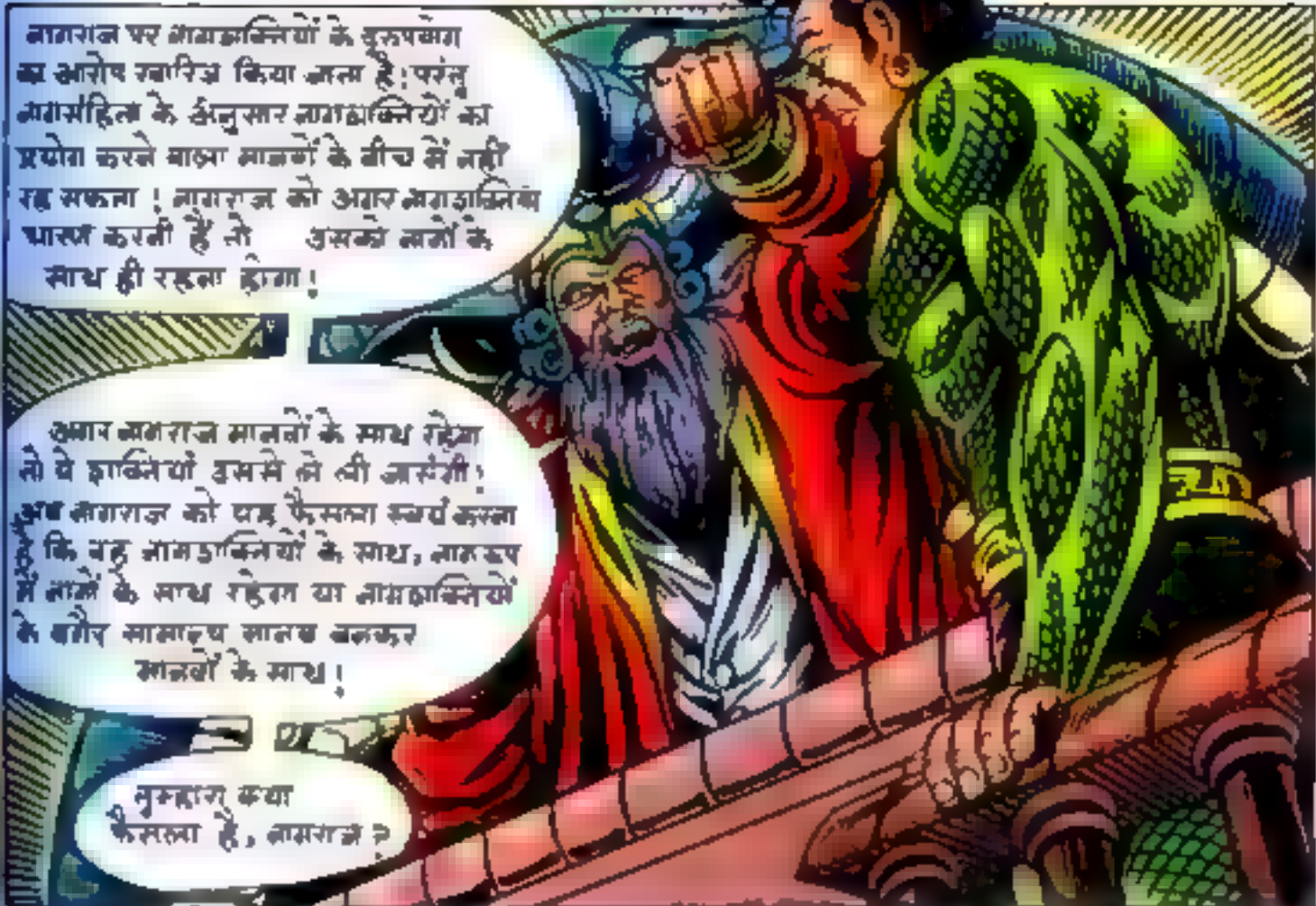
यह निर्णय मानवों और नरों के
बीच में टकराव को रोकने के लिए
बनाया गया है!

मैंने नागधाम के सामने अपना
पूरा पक्ष रख दिया है! अब निर्णय
नागधाम के हाथों में है!



सुनवाई पूरी
हुई!

अब निर्णय
मुत्तारा नगराज!



नागराज पर नागाशक्तियों के वरुपयोग का आरोप स्थापित किया जाता है; परंतु नागसंहिता के अनुसार नागाशक्तियों का प्रयोग करने वाला नागों के बीच में नहीं रह सकता ! नागराज को अगर नागाशक्तियों प्राप्त करनी हैं तो उसके नागों के साथ ही रहना होगा !

अगर नागराज नागों के साथ रहेगा तो वे शक्तियाँ उससे ले ली जायेंगी ! अब नागराज को यह फैसला स्वीकार करना है कि वह नागाशक्तियों के साथ, नागराज में नागों के साथ रहेगा या नागाशक्तियों के बिना सामान्य मानव बनकर नागों के साथ !

मुझ्हाग क्या फैसला है, नागराज ?

मैं नागसंहिता का सम्मान करता हूँ और नागों के सिद्धांतों के तहत मैं बहुत प्रेम और सम्मान है ! लेकिन मैं मानवता और मानवजाति की भलाई की इच्छा भी करता हूँ ! इसी सिद्धांत में नागों के साथ रहना ही परमार्थ करेगा !

नागराज ! तुम नागाधीश की शक्ति का पहचान नहीं है ! तुम अपना फैसला मुझ दिया है ! अब नागाधीश का फैसला भी देख लें !

हे न्यायदेव की शक्तियाँ...



और जो शक्तियाँ मेरे पास हैं वे देव कालजयी का आशीर्वाद है !

इन शक्तियों को न ले कोई मुझसे ले सकता है और नहीं मैं इनको छोड़ सकता हूँ !

नागराज की नागाछत्तियों
को हार लो !

आ SSS ह !
ये... ये नहीं हो
सकता ! मेरा नागा
मुझसे अलग नहीं
हो सकता !

अभी भी
समय है ! फैसला
बदल ले, नागराज !

मैं फैसला
नहीं बदल
सकता नागा
धीडा, मैं
बिबहा हूँ.

तो फिर हम भी
बिबहा हैं, नागराज ! तुम्हारी
नागाछत्तियाँ तुमसे भीनी
जाती हैं !

आओ मानवों के पास
और सामान्य मानवों की
तरह जीवन व्यतीत
करो !

तुम्हारी नगाडाकियां
मेरे पास ही रहेंगी ! अब भी
तुम्हारा फैसला बदलो, नगाधीश
के पास आ जाना !

नगाधीश फिर से
तुम्हारे पूर्ण नगराज
बना देगा !

अब आओ मानवों
की बस्ती में !

आ SSSSSS

TTSSSSSSSSSS

ओ SSSSTTह !

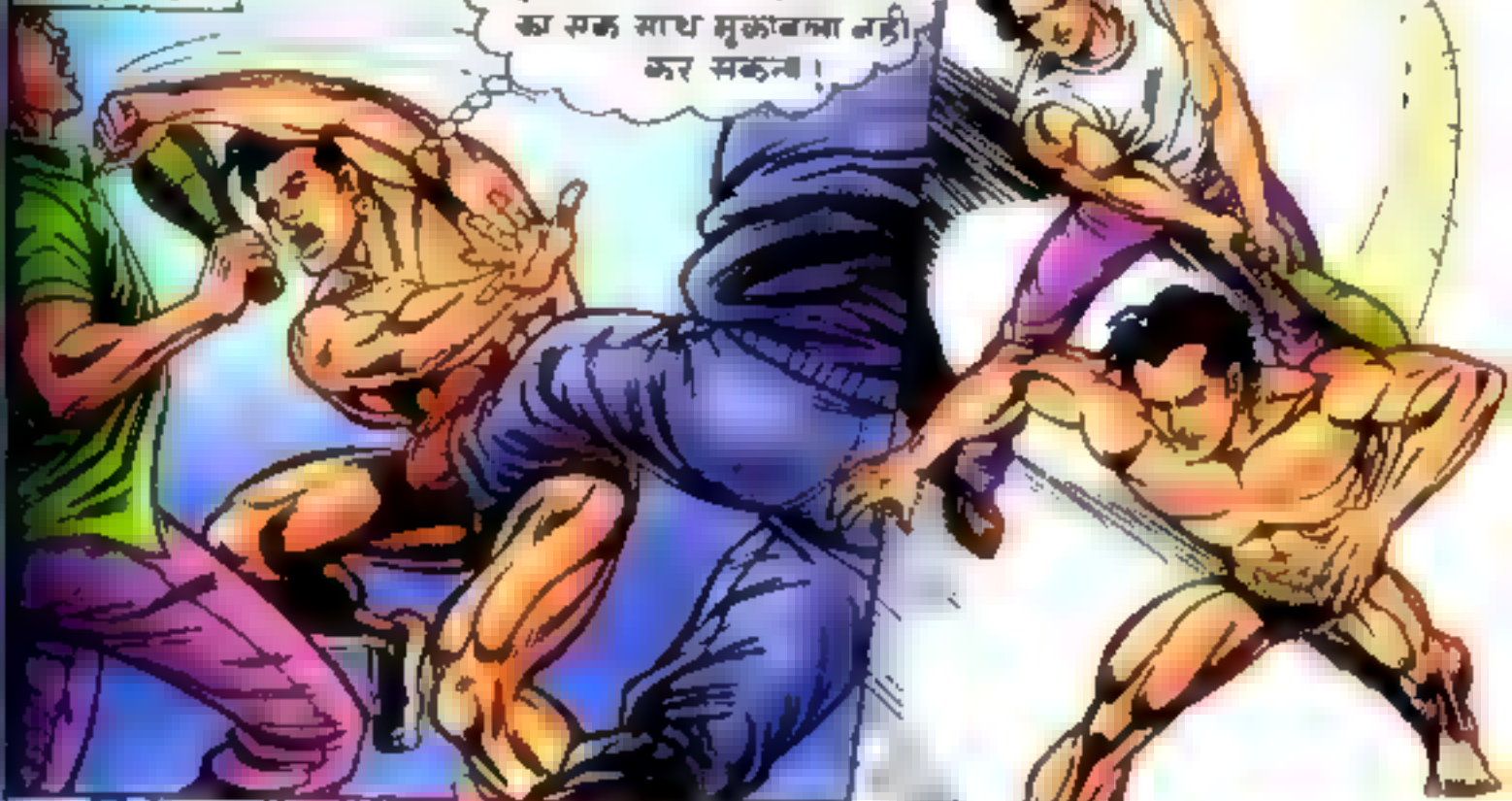
ANCE BAR

ओर ! ये नंगा
कहा से आकर मिरा है ?
दारू पीकर पैसे नहीं
दिस क्या ?



आज वसुको पहली बार इस बात का सहसास हो रहा था कि माझान्य शरीर पर पहुँचे जाने वाले का क्या असर होता है-

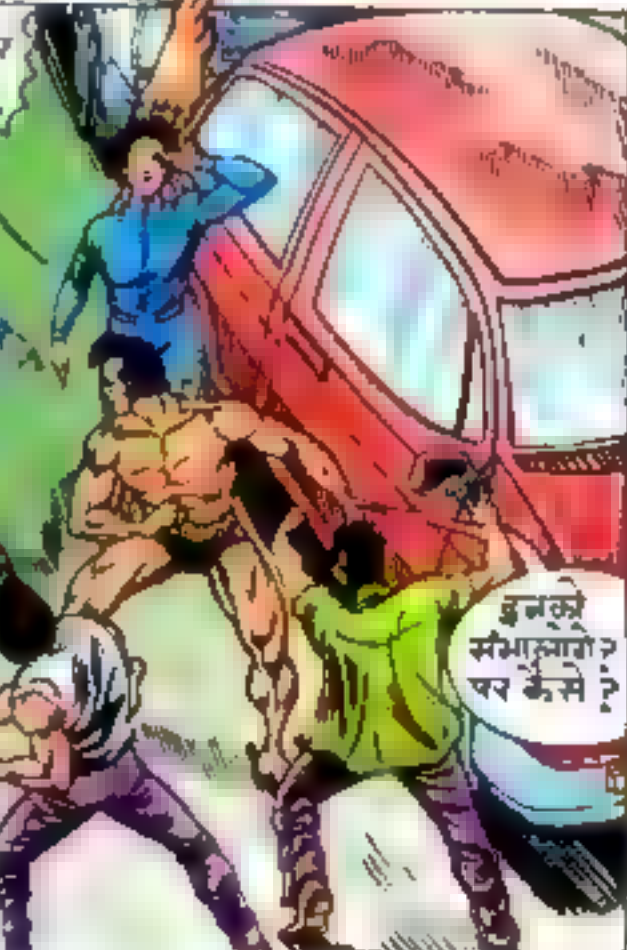
आस है! बहुत कमजोरी महसूस हो रही है! और मैं माझान्य की मदद से बचने का आदी हूँ! इस स्थिति में मैं इन तीनों का एक साथ मुकाबला नहीं कर सकता!



कैडेट्स ऑफ कलॉनी पोर्स ऑफ महानगर नगरपाल संर

आप फिर न करें सर! इनको हम संभालेंगे!

कौन?



लेकिन तुम लोगों को मेरी मदद के बिना किसने भेजा है ? तुम लोगों को कैसे पता चला कि मुझको यहाँ पर मदद की जरूरत है ?

ये पक्षी हमारे कैप्टन भूष के दोस्त हैं सर। वे ही हमको यहाँ पर लेकर आये हैं, कैप्टन ने इन पक्षियों को स्पेशल ट्रेनिंग दी है।

वैसे हमने इसकी खबर राजनगर के कमांडो फोर्स हैड क्वार्टर में भी भेज दी है।



हो गया, नारायण सर!



फक बात पूछे नारायण सर!

हाँ, पूछे!

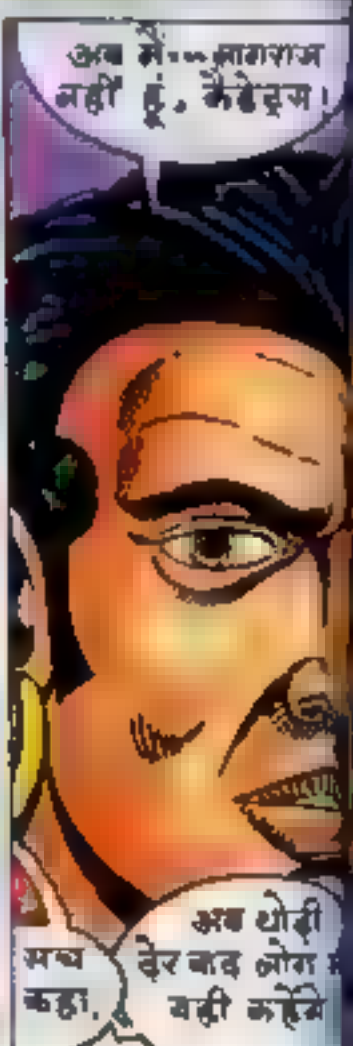
आपके कपड़े (ही ही ही) कहाँ गए ?

वो मैं...



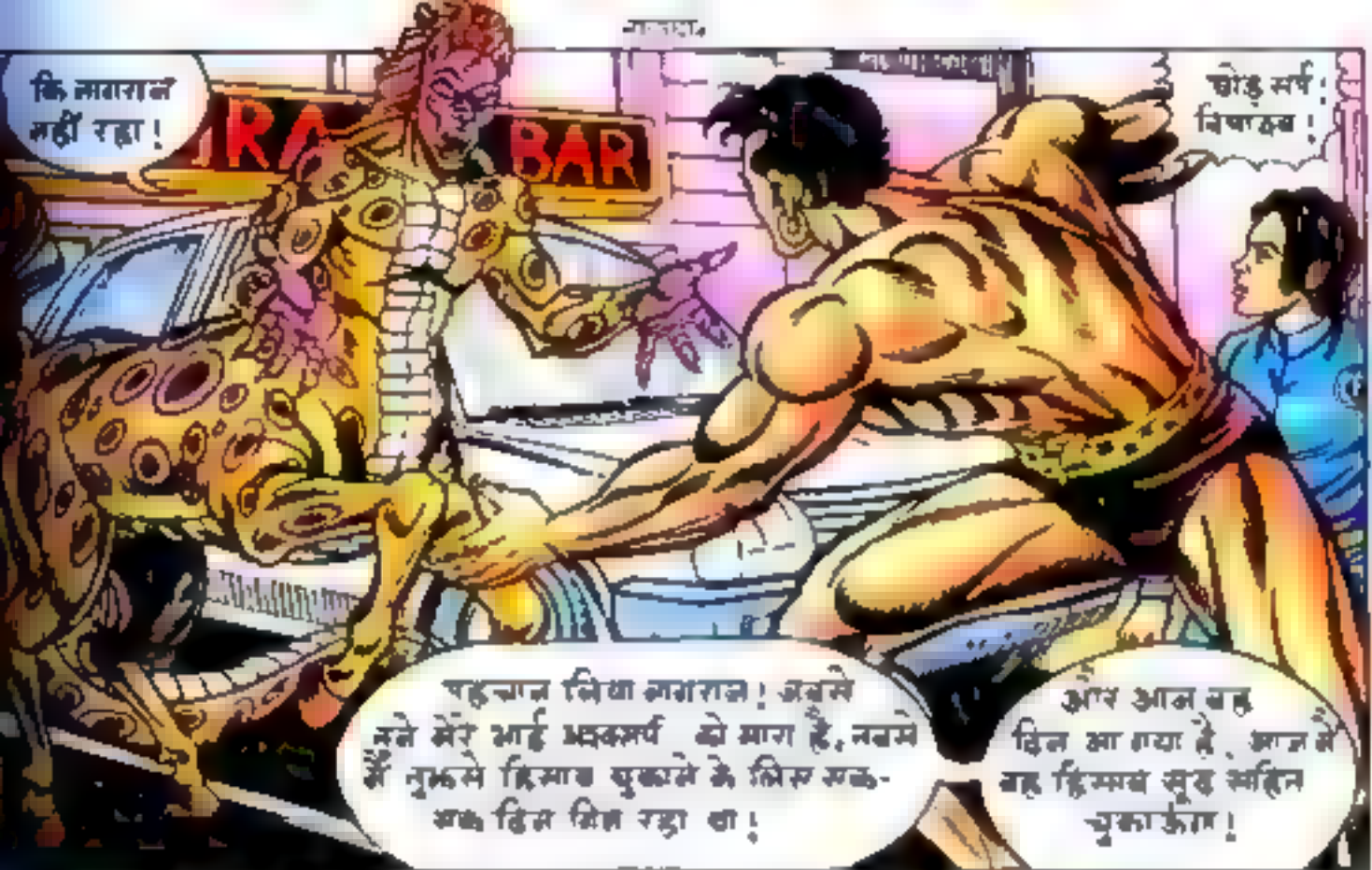
कॉटअप प्रेक्षा : इसके पृष्ठों का मतलब आपकी हरी स्क्रीन से था सर!

बगैर हरी स्क्रीन के आपको पहचानने में हमको काफी मुश्किल हुई थी!



अब मैं... नारायण नहीं हूँ, कैप्टन।

अब थोड़ी देर बाद लोग वही कहेंगे





हटा

मन्दिर कहीं
के!

CAFE
FOOD

नागराज, नगराज
शक्तिशाली के बगैर भी इनका
समझ है कि मुझ जैसे कीड़े
को मार सके!

विफाई!
तुने बच्चों पर
बार करके, अरुण
नहीं किया

धूम

मेरा यह बार
तो मेरे शरीर पर
जमी धूल तक
नहीं उड़ा पाया

लेकिन मेरा सक्
ही बार मेरे प्राण-पत्थर
उड़ा देगा!

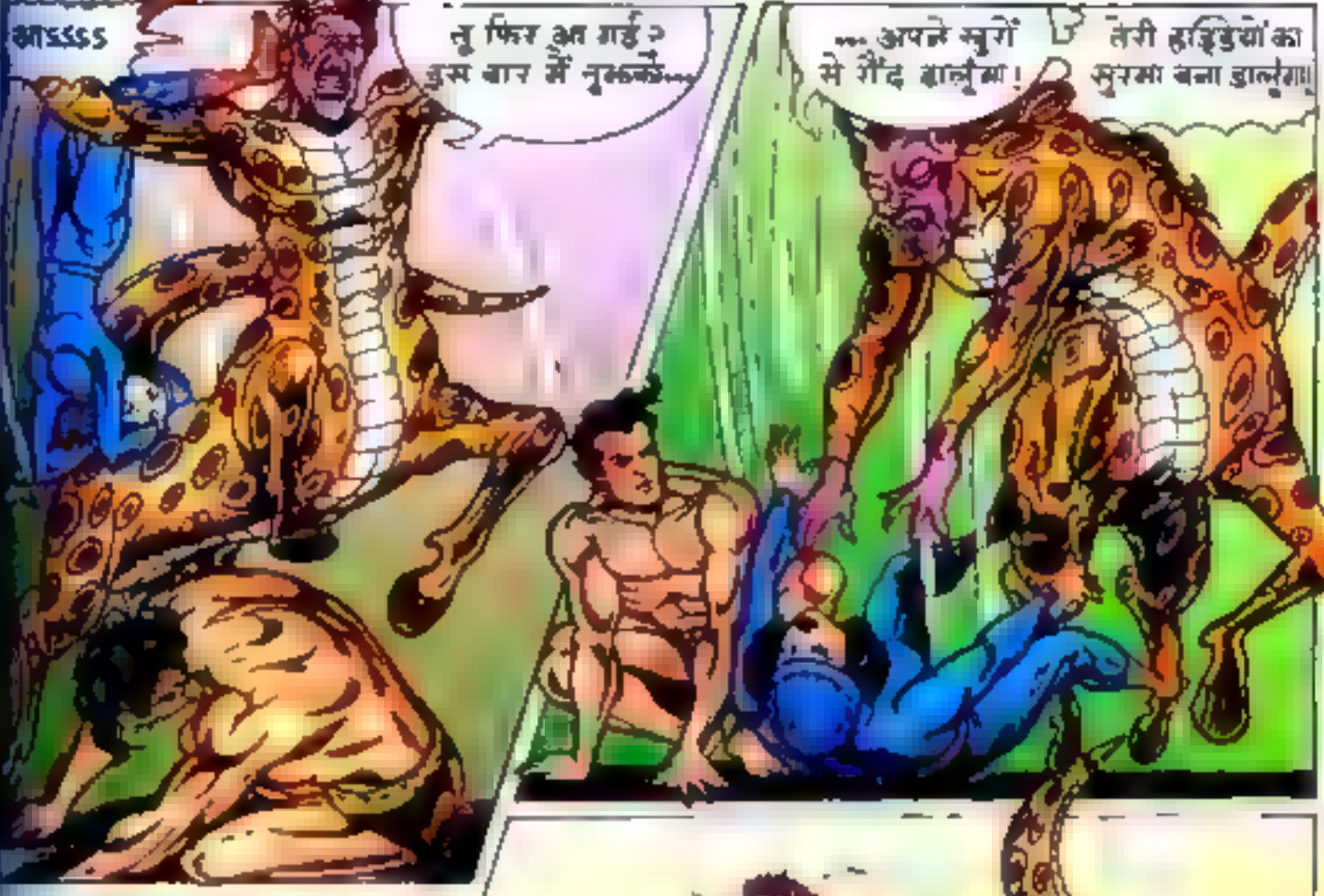
मुझे अंदाज़ा नहीं था
कि छोट लगने से इतना
होना है। बगैर शक्तियों के
मैं अपनी जान नहीं बचा
सकता!

आ sss ह!

आऽऽऽऽ

तु फिर आ गई ?
इस बार मैं नुकसान...

... अपने सुरों
से गैद बालूया !
तेरी हड्डियों का
सुरमा बना डालूंगा !



नागराज को जंगलों की रक्षा के
लिए ही जंगल-अकितियों को छोड़ना
पड़ा है, बिना डब !

मेरे जीवित रहने से
इनको नुकसान नहीं
पहुंच सकता !

मेरे कर्तों में इनका इस
नहीं है कि बिना डब को
नुकसान पहुंच सके !

अब मुझको अपनी अकितियों
पर नहीं, बल्कि अपनी कुतू
हलाकों के ज्ञान पर निर्भर
रहना होगा !

स्नेक फाउंटिंग के दावों
से इसके गर्म रक्तों पर
ग्रहण करना होगा !



कुतूहल

आऽऽऽ ह ! ये
कैसा बार है ! मेरा
गला मुन्न हो गया
है ! मैं बिना फेंकार
का प्रयोग नहीं कर
पा रहा हू !

नागराज अभी भी काफी
खतरनाक है ! अगर मैं असफल
हो सक तो मेरा हाल भी मेरे
भाई जैसा ही होगा !

विषाख की दुम भरना उठी-

अब न बिचड़
के दुम लोगों से
नहीं बच पसमा
लगराज !

अब ३३३ ह. एक तो दूसरी दुम
कुंठली की तरफ मेरे बदन को कस-
कर मेरी हड्डियाँ तोड़ रही
हैं...

... और दूसरी तरफ, ये मुझे
पटक-पटक कर रही मही कमर
निकाल रहा है!

अब तो आँखों के आगे
अंधेरा भी घाते लगत है!

अब बचनी मुश्किल है!

लेकिन अभी-

सभी बंधन एक-एक
करके टूटने लगे गए-



... भूत खुद वहाँ
पर पहुँच गया
है!

श्री
लगराज !

मैं मृचन
सिद्ध ने ही बना
पड़ा था !

लेकिन फिर
भी, लगता है
छोटा बेटा हो
गया !

नहीं, दोस्त !
तुम सब बदन पर
आस हो !

लेकिन नुम्हारी ये राजत क्यों हो गई है, जगज्ज ?

जाग-न्यायालय में मुझे पर जागजाकितियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया और मेरे जागरूप को मुझसे अलग करने मेरी जागजाकितियों को भीत लिया गया !

मुझ पर ऐसा आरोप ? ऐसा आरोप मुझ पर लगाया किसने ?

अगरार जग के एक अवस्थापी सर्व ने ! लेकिन मुझे पता है कि उसने ऐसा किसी के कहने पर किया है !

और अब मेरे सामने जागजाकितियों को आपस चले का एक ही रास्ता है !

उस चढ़ाकरगी को कुंठना और उससे सच जगज्जना !

ये काम तो मुझ बहुत आसानी से कर सकते हो ! इस सर्व को पकड़ कर !

मुझे पता चकीन है कि इसको भी उसी चढ़ाकरगी कासी ने भेजा है !

बर्ना ये इतनी अच्छी तुम पर हमला करने के लिए मही जगज्ज पर न पहुंच जाना !

ये काम तो मैं ही सोच रहा था !

अब मुझे अपना पूर्ण जागरूप धारण करना ही पड़ेगा !

किर मैं इन दोनों को मही जगज्ज पर पहुंचाऊंगा !

इस समय मैं !

आइस है! ये
घोड़े सर्प तो बहुत
खतरनाक है!

इनमें लोगों
की चपलता और
घोड़े की दृष्टि
होती है! इसीलिए
अक्सर सब से
घातक सर्पों में से
सक माने जाते
हैं!

फिर तो इस
पर घोड़े की काबू में
करने वाला नरीक
आजमाना पड़ेगा!

घोड़े की काबू में
करने के दो तरीके होते
हैं! एक तो उस पर सवारी
करना और दूसरा उस
पर लगान केसना!

अब यहां पर
लगान कहाँ से आसगी?

ये
रही लगान
मागरान!

नूम इस पर
लगान कैसे
में इस पर सवारी
करके इसका
खान बंटता
है!

आसगी! इन तीन
पेड़ों की डेढ़ों की मदद से हम लगान
बनसंगे!

घोड़े की रक ही मानसिकता होती है! उसको पसंद नहीं होता कि कोई उस पर सवारी करे-

लेकिन अगर वह सवार को गिरा नहीं पता तो वह धकना जाता है-

वह उसको गिरावे की भरसक कोशिश करता है-



उसका आत्मविश्वास टूटना जाता है-

और इसके बाद अगर उस पर लगान भी कर दी जाए-

तो फिर वह पूरी तरह से टूट जाता है-

घोड़ा पोलनू बन जाता है-



ठीक ऐसा ही अइबर्स विपाइव के साथ हो रहा था-



लेकिन नहीं-

अरे! ये तो
मायबू हो रहा
है!

यानी
इसके पीछे जरूर
कोई है,
और वह नहीं
चाहता कि इसकी
जुबान खुले!

अब ये हमारे काबू
में है, नागराज! घनाओ
अब इसका क्या करना
है?

इसको स्मोक पार्क में
चमते हैं। वही एक जगह है जहां
पर इसको कैद में रखा जा सकता है!
वहां पर पहले इसका बिजु विचलता
जायगा, और फिर मैं इससे घना
करूंगा कि इसको भेजने वाला कौन है?

अब हम
इंतजार के
अभाव में कुछ
नहीं कर सकते
नागराज!

और यह इंतजार मुझे
सज बनकर करना
होगा!

तब तक मैं...
ओह! मैंसेज आ
रहा है!

ओह! आई
सम थोड़ी
नागराज!

हमें इसकी तरह
फिर कोई जरूरी
काम निकल आया
है! मुझे जाना
होगा!

ताकि मेरा कुछसम
मुझे न दूँ पाऊ! और
मैं उसको दूँ सके!

मेरी नजर
पड़े तो मुझसे
संपर्क कर लेना!
जहाँ-वहाँ रक्तकों
की फ्रीक्वेंसी
पर!

कर लेंगे
लेकिन अभी
करना है कि
मुझे उससे
नजर न
पड़ेगी!

नगीन का गुस्मा लोहे की तरह फूट रहा था-

लिकम्मा है तु! डोर बनकर गया था और कुत्ता बनकर लौट आया है!



पावन कुत्ता!

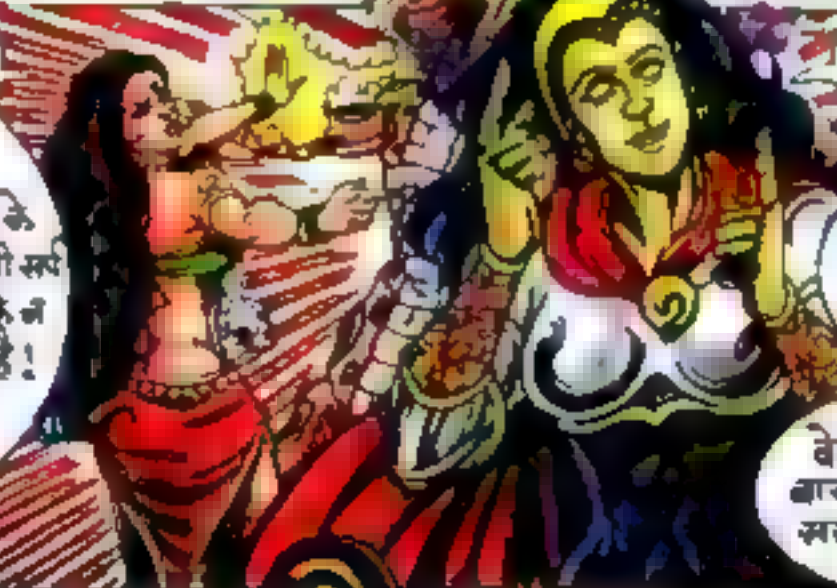
मेरे नागराज की शक्तियाँ धरण करने से पहले नागराज का सरज बहुत जरूरी है!

बर्ना वह अपनी शक्तियाँ बापस पाने का प्रयास करता ही रहेगा!

अरे, पहले इसकी शक्तियाँ अपने पास आने दो!

उनको जाना तो तुम्हारा काम है!

मैं पहले ही बता चुकी हूँ कि नागाधीश के नागधाम में कोई भी सर्प बिना उसकी आज्ञा के न तो अंदर आ सकता है! और न ही बाहर जा सकता है!

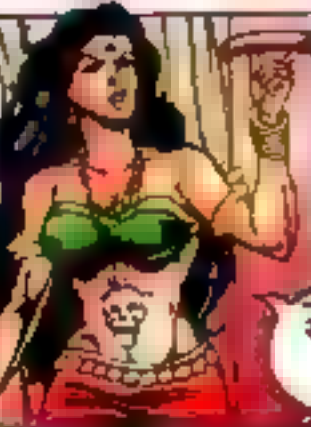


और नागराज की शक्तियाँ नागधाम में ही रक्की हुई हैं!

और नागधाम, नागाधीश के विशाल निवास के अंदर है! और वहाँ पर पहरा बहुत सरज है!

वेसा, तुमने ये बात इतनी बार कही है कि मुझे ये सब याद हो गया है!

किर कहाँ है तुम्हारा वरुण का इकका?



यहाँ है!

साफ कीजिय आने में छोड़ी देर हो गई!

ये कौन है?

वरुण का इकका! दुनिया का सबसे शक्तिशाली और, कैकर!

नागधाम में कोई सर्प अंदर नहीं जा सकता पर इंसान तो आ सकता है!



भारती कम्युनिकेडॉस, मद्रास में-

ये क्या
अनर्थ हो गया,
जगन्नाथ ?

अब
तुम्हारा क्या
प्लान है ?

मुझे पूरा यकीन है कि ये
कोई पद्धत्यंत्र है, वही इतने बर्षों
में ये कार्यवाही मुझ पर पहले ही
की जा चुकी होती !

जगन्नाथजी यह नहीं
समझते कि बदलते
समय के साथ कानून
की धारामें भी बदलती
रहती हैं !

और जो समय
के साथ नहीं बदलते,
समय उनको मिटा
देता है !

मुझे उस बहुचर्चकरी
तक पहुंचकर जगन्नाथजी
की आँखें खोली हैं !

ओफ ! कोफी खत्म
हो गई है ! एक मिनिट
रुको !
मैं अभी स्टोर
में कोफी लेकर
आती हूँ !

बी बिल टॉक
ओवर स कप ऑफ
कोफी !

कोफी,
कोफी ! ये
रही !

सैडन !

हां, कहे !
यहां अधिरे में
क्या कर रही
हो ?

आपका
इंजिनार !

मेरा इंजिनार ?
कोन हो तुम ?

अपने आपको ही
नहीं पहचानती, सैडन
भारती ?

हाट ? तुम !



अब तुम क्षमा करो
मैंने इस क्षमा करती।

पृष्ठ 331

क्योंकि तुम्हारा काम
अब नवीन सभा के लिये।

TORE



यही वह जगह है जहाँ से नाराज
की सबसे सबसे पहले प्रसारित
होती है। यही भारतीय का नाम
से गहरा संबंध है। मैं भारती
बनकर भारती की कर्मी पर
बैठूंगी, और जैसे ही नाराज में
समस्त आस्था में उसका अंत
कर दूंगी।



अरे, भारती!
बहुत देर लगा
ही काफी लाने
में।

और... अरे
तुम काफी
भेक नही
आई।

हाँ...
बो... सिर्फ
नहीं... सिर्फ
नहीं!



कोई बात नहीं!
मेरा बैसे भी काफी
सिने का बूढ़ नहीं
था!

अच्छा हुआ
भारती! तुम बहुत
चुपचाप हो! कोई
बत है क्या?

ह... हाँ!
ठीक है!

कहीं ये ही तो नाराज
नहीं है! डाक्टर ने
सिखायी है। कानों
बाजियाँ भी पहने हैं।
लेकिन... ऊह!

ये डाक्टर से ही कुछ
भारता है। ये नाराज
नहीं हो सकता।

पर ये मुझे नाराज
तक पहुँचा कर
सकता है!

बो... मैं नाराज
के बारे में सोच रही
थी।



और कुछ ही
पलों के बाद-

कहो भारती!
क्या काम है
तुमसे?

जगाराज!
बहुत अकरी
काम है तुमसे?

तुम्हें मेरा अंन
करना है!

जमीन!

हां, जमीन!
तुम्हें ये तो पता
नहीं कि तुम्हें अपनी
भूरी रखाव फिर से
कैसे या जी, लेकिन ये
अच्छ ही है। मैं तुम्हें
इसी रूप में जारना
चाहती थी!

अब ये बाहल मेरी
छिना बनेगा! और
तुम्हारे अन्न में तुम्ही!

जमीन! ये... ये
क्या कर रही हो? मुझे
तुम्हें स्मरो मत! मत
स्मरो!

मिहिरिडा! और
मिहिरिडा नगराज!
मेरी डरी हुई आवाज
सुनकर तुम्हें बड़ी
तसल्ली मिल रही
है!

लेकिन तुम्हें स्वतंत्र
करके मुझे और भी
तसल्ली मिलेगी!

हा हा हा! मैंने
सब का आवाज सुनी
की!

सब का आवाज!

लेकिन इस चक्कर में
पंच न्याय की कार का भी
सत्यानाह कर डाला!

नगराज... न... न
यहां है तो वो कौन
था?

मेरी कैचुली थी!
पर आवाज मेरी
ही थी!

तुम्हारा असली
रूप देखने के लिए
ये शटक मुझे करना
ही पड़ा!

अब बताओ!
असली भारती
कहाँ है?

भारती की छोट और अपनी
चिन्ता कर नगराज! मेरे सामने
आकर तू अपनी सोन तक खुद चलेकर
आ गया है! इस झुक्तिहीन हालत में नकीन
तुम्हें बचपन की तरह समझ देगी!

ले कास मिथाइल
नहीं कर पाया, इसमें
मैं पूरा कहेगी!

अब मैं सब समझ गया!
आपार को तुमने ही भेजा था!
और उसका असली मकसद मेहोको
रुकवाना नहीं, बल्कि मुझे मारना था
पर वह असफल रहा! और तुमने
योजना बदल दी! तुमने आपार के
जरिय नगराज की मेरा दुश्मन
बना दिया!

सकदम सही लालराज !
लालाधीठा के पास से मेरी छात्रियां
मेरे पास अपने ही जाती हैं ! उसके
बाद मेरी छात्रियां मेरे छात्रों में
होंगी, पर हमसे पहले मेरी छात्र
मेरे छात्रों से बाहर होंगी !

मेरा नहीं होता लालराज, अब
तुझे लेकर लालाधीठा के पास
जाऊंगा और मेरे छात्रों को उनके साथ
बेजबब कर दूंगा !

लालराज पहले से ही
मुद्रिका में था-

और उसकी मुद्रिका
अभी और भी बढ़ने वाली
थी-

यही बांकी
लालाधीठा के
निजस तक
जाती है !

किस्मत साथ
दे रही है ! अभी तक
मेरा सामना किसी
जग से नहीं हुआ
है :-
... लेकिन :-

... बांकी ! क्या जगह है ! इस
बांकी की तो जगह तक जगह नहीं आ
रही है ! पर सामने लालाधीठा का महल
अबडस जगह आ रहा है !

और महल में ही है वह
न्यायालय ... जो भी है...
अहाँ पर नागगज की
डाकियों गरीबी है!

अब वहाँ तक पहुँचने के
लिए फार्मुला खाने लगना
पड़ेगा!



धूपने के हर फल में सहिर
कैकर ग्रहणी नज़ों की नज़र से
बन्ता हुआ महल के पास
तक पहुँच गया था-



अब इस काम का
सुडिकेस चरण शुरू
होने लगा था-

कैकर को नागगज
तक पहुँचना था और
पहरा भंगना होना
शुरू हो गया था-



नामाधीश निवास में-

लो, न्याय दंड को
संभालो, उपनामाधीश!
मैं आवास करने आ
रहा हूँ!



उचित है नामाधीश! क्योंकि
इस न्यायदंड को या तो आप
संभाल सकते हैं, या फिर
मैं!

पर ये मत भूलना कि
नागगज और उसमें गरी
बस्तुओं की रक्षा करने का
निष्ठा भी उसी का होता
है जो न्याय दंड को
धारण करता है!

नागगज तो
वैसे भी
मांछित है,
नामाधीश!
नागगज
दंड होने के बाद
तो कोई नागगज
धुस ही नहीं
सकता!

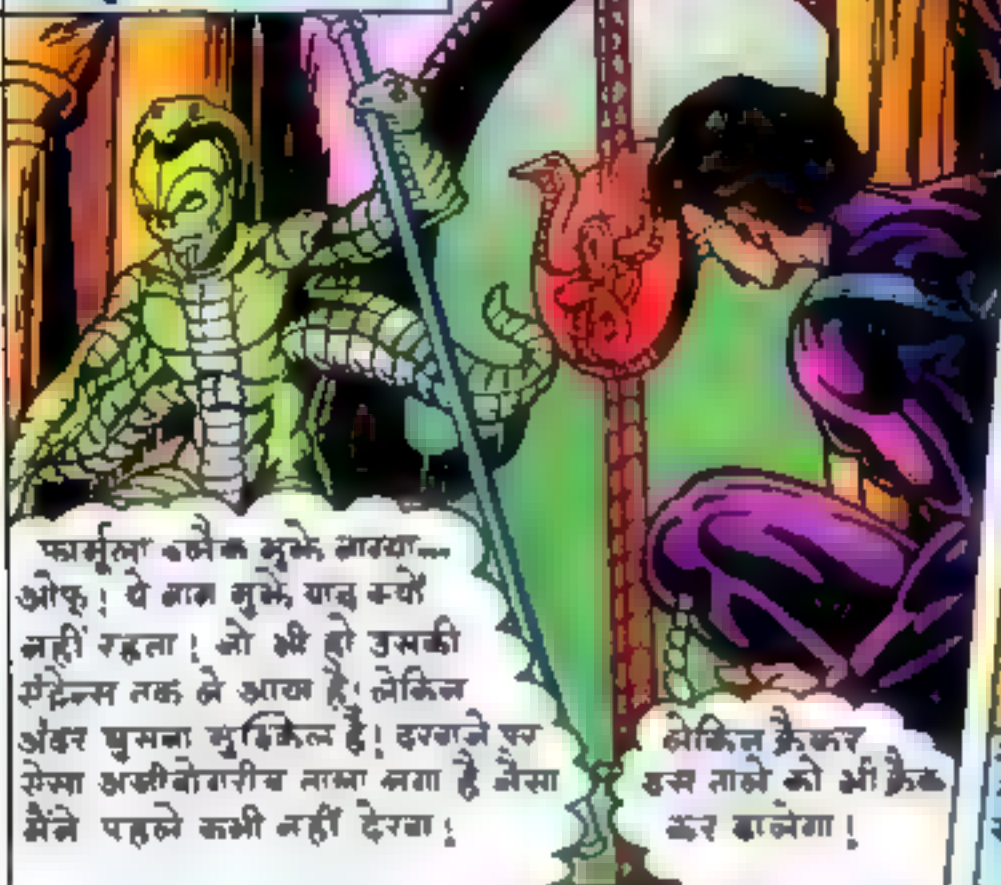


फिर भी!
सचेत रहना! उसमें
कोई बुराई नहीं है!

सचेत रहने
की सलाह
मही थी-

क्योंकि खतरा ज़ाबानाच तक जाने वाली सुरंग के द्वार तक आ पहुँचा था-

मर्यादा



फार्मुला बलैक मुझे बताया... ओफ़! ये नाम मुझे याद क्यों नहीं रहता! जो भी हो उसकी सहेलियाँ तक ले आया है। लेकिन अंदर घुसना मुश्किल है! दरवाज़े पर सेना अलीबोकारीय नामा लगा है जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा!

लेकिन कैकर इस ताले को भी कैक कर जानेगा!



कैकर के लिए सचमुच ताले को खोलना ज्यादा मुश्किल नहीं था-

और वही उस सुरंग के अंदर घुसना जो खतरनाक सर्प प्रहरियों से भरी हुई थी-

ओफ़! कितने भयानक साँप हैं यहाँ पर! अगर इन्होंने कसकर जंभाई भी ली तो इतना नहर निकलेगा जो मेरी साँसें रोक देगा!



मुझे मानव गंध आ रही है!

ऊपर देखो एक मानव है!



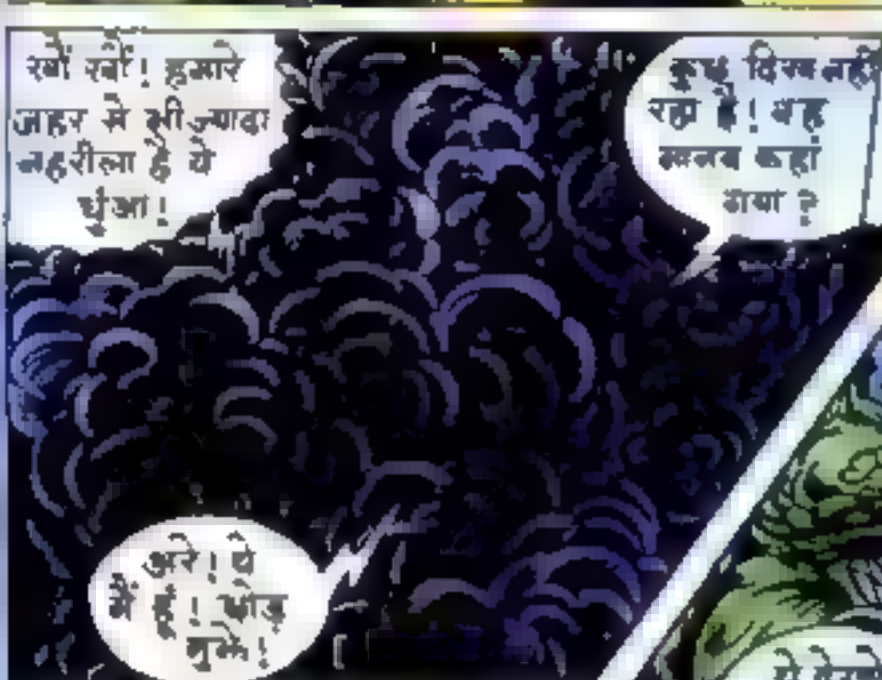
ये यहाँ तक कैसे पहुँच गया ? पकड़ो इसे !

फुंकार भोड़ो !

केकर अब तक नुसको लज्जर नहीं आया था !

अभी भी नहीं आस्ता !

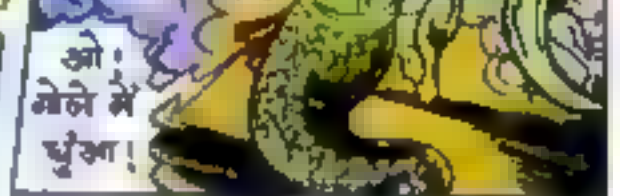
ओ झिट !



रबों रबों ! हमारे जहर से भी ज्यादा नहरीला है ये धुँआ !

कुछ दिख नहीं रहा है ! वह सनब कहाँ गया ?

ओ ! मेले में धुँआ !



और जब धुँआ छंटा -

अरे ! कहाँ गया जोर ?

ये देखो ! उसके पैरों के निशान !

वह बाहर की तरफ भागा है !



बल्लो ! बाहर बसकर पकड़ो उसे !

आओ, जाओ ! शेंकषु डकटे मौल तुने कमाल दिखा दिया !



अब नगराज की छविनी मेरे सामने है !

इतनी जल्दी नहीं, सनब !

अभी नुसको उप बजाधीडा से निपटना बाकी है !



मेरी एक कुंकार
तुम्हें मौत की नींद
सुला देगी!

हाऽऽऽऽ

ये विष की काट वाली
गंदी डोट मैं अपने त्रिस
लेकर आया था। पर इसे
तुम खा लो!



आऽऽऽ! ये तुने मुझे क्या
खिला दिया। पेट खराब हो
रहा है। मुझे कमजोरी लग
रही है!



आऽऽऽ

जहर ही मुझारी
झड़ने है। जहर घुटेका
तो कमजोरी बनेगी
ही!

पर तुम...
बाहर नहीं... जा
सकते! आऽऽऽऽ

बाहर तो
मैं जाऊंगा...

बह
मालूम!



...पर ऐसे
नहीं फार्मुला जवा
के साथ!



मिला
कहीं?

मौत

सभी
उसको ही बांटे
के हर कोने में
दुंद रहे हैं!

मैं उसको बाहर
जाकर दूँदा हूँ। कहीं
बह बाहर न भागा
जया हो!

अच्छा खबर
है! जाओ...
जाओ

नागराज की डाकियों लगी
तक पहुँचने वाली ही थी-

आइस ह! मैं जानता हूँ कि
मेरी डाकियों का केन्द्र ये
मैं मुँह है! इसके आसपास
होते ही तु नाचिका लड़कियाँ
से सिर्फ लड़कियाँ रह जाती हैं।

और मुझे अभी
भी नाचों का बड़ा में करना
आता है!

भूल मत कि तु नाचिका लड़कियों
नाच नाचकर नहीं है!

चल! इस दोने
साथ मिलकर
इसे मारते हैं।

ठीक है
कैकय ने
इसकी
डाकियों
भुल ही है

अच्छ किया! मरते-मरते
नागराज मुझको अपनी
डाकियों धारण करते हुए
भी देखेगा!

हो मरना
स्वयं नाचिकाओं
के सामने
अकेले नागराज
कमजोर पड़ने
लगा था-

सहीना! ये बच्चा
मर रही है! भूल गई
नागराज को मारने का
धिया मुझे लेना है!

मैंने उसे
यहीं पर कुल
लिखा है!

धीरे-धीरे
मरने नागराज! क्योंकि
कैकय को अभी थोड़ा सा
बकल और लगेगा!

नागराज
सच्चाई का
रूप है पतितो!

... और सचवाई
कभी नहीं मिलती।

तिबिस्स का
महान ज्ञान ०
फैसलेस !

हां, नागराज ! अब
तुम अकेले नहीं हो ! और ये रहा
बहु तिबिस्सी यंत्र जो नागराजों से
तुम्हारी रक्षा करेगा !

और मिस किल्लर
की यांत्रिक छवियों से मैं
जिपट लूंगी... मनमन
लूंग !

अच्छा हुआ कि मैं जल्दी ही
होडा में आ गई और बरबाद से ये
पता चलने ही कि नागराज मेरे साथ
कप में गया है, मैंने मेटासाइट
सिस्टम से कप की स्थिति का पता
लगाया और यहाँ तक आ पहुँची

अब मुकाबला बराबर का था-

लेकिन जल्दी ही
पलड़ा जमीना और
मिस किल्लर की तरफ
कूकने लगा था-

मिस
किल्लर !
मिस
किल्लर !

अरे ! ये इच्छा-
धारी साँप कैकर की
आज्ञा में कैसे बोल
रहा है !

मैं कैकर ही
और मैं नागराज
छवियों ले आया
पर... पर...



... उस जगधीड़ा मेरे पीछे पड़ा है।

ओहो!



सिर्फ, उस जगधीड़ा ही नहीं, जगधीड़ा भी इस अपराध का ठंड देते वहां पर आ पहुंचा है।

जगराज की हाकियां मेरे हवाले कर दे जाना।

अच्छा हुआ कि तुम खुद आ गए, जगधीड़ा! वरना मुझे तुम तक जाने की तकलीफ उठानी पड़ती।

सम्झना सहित बात करो नसीन! अन्यथा तुम पर अवमानना का आरोप लग सकता है।

तुम्हारे दिन लट चुके हैं जगधीड़ा! अब तुम्हारा कल नसीन लेनी!



ये... ये क्या? मेरा जगधीड़ा ठंड मेरे हाथों में धुटकर नसीन के पास लय रहा है! पर क्यों?

क्योंकि तुम अपराधी जगधीड़ा को पूरा ठंड देने में असफल रहे! इसकी जगहाकियां तुम्हारी नाक के नीचे से साठब हो गई! और अब इसका ठंड मैं दे रही हूँ! इसीलिए जगधीड़ा ठंड मुझे जगधीड़ा मान रहा है!



और अब जब नसीन जगधीड़ा बन चुकी है, तब वह तुमको भी तुम्हारी भूल का ठंड देगी! अपराधी जगराज को सजा न दे जाने की सजा!

उधार्ड हो नसीन! तुम्हारी योजना सफल रही!

योजना! यानी यह सब रुक पड़्यो था!

सही जगहों, जगहों पर : अन्-
पार को सहायता में लेज्जा और
जागराज को उसकी शक्ति का प्रयोग
के मुकाबले करना फिर इसके द्वारा
जागराज की शक्ति का प्रयोग करके और
नुम्हारा बही - पाय करना जो हम
पहले से जानते थे, वह सब मेरी
योग्यता का हिस्सा था।

बस इसमें मुझे जानने की
सहायता जागराज की शक्तियों को
यहां तक जाने के लिए पड़ी, क्योंकि
जागराज के माध्यम से मैं और
नुम्हारी आत्मा के घुस नहीं सकते थे।

अब मेरी शक्तियां समाप्त होकर
मरीजा के पास आ गई हैं,
जागराज !

नकि मैं
ले के कर : जागराज उन शक्तियों
की शक्तियों में मुझे
दे दे !

बनने के साथ
आप इसकी
तकनीक को
आपकी शक्ति
बन जाके !

जागराज तो तुम ही
जो के कर को पकड़
नहीं पाई, जिस
किन्नर !

मुझ के हाथों
तुम...
तुम के कर
हैं ?

... कि नुम्हारा संबंध जागराज
की शक्तियों बनाने से है जो मैं
वह जोरी करने के लिए नेवार
हो राख जिसमें अगर मैं असफल
हो जाना तो मेरी जान भी जानी
और जागराज की भी !

ये शक्तियां
जिसकी हैं, उसको
ही मिलेंगी नतीज

ये क्या कर
रहा है के कर
तु जागराज तो
नहीं हो क्या
हैं ?

मैं जागराज तो तुमको
पहले ही पकड़ लेता !
जो जोर तुमने सोचा जिस
के लिए भेजा था उसका
समय समझाव दो
जैसा किता और मुझे
नुम्हारी हथेली तक
पहुंछा दिया !

नुम्हारा
असली खेल
जानने के लिए
मैं के कर बना
गया, और जब
मुझे पता चला

बहु तो
अभी भी
जागराज !

जीवन जागराज
है जो जागराज
की शक्तियों
को मेरे हथेली
कर दे !



सेसा नहीं होना! नगीना
सक बात नहीं जानती! ज्ञाने
हर हर नागाधीश अपना कोई
भी सक निर्णय बदल सकता है!
और अब मुझे इस अधिकार का
प्रयोग करना है! नागराज
को उसकी शक्तियां वापस करके।



ध्रुव ने चील को
नागाशक्तियां
छोड़ने का आदेश
दिया -



लेकिन अब तक नागाधीश अपना निर्णय बदल
सके थे।



और नागराज के शरीर
में फिर से सक रही हैं!





जलीला, मैं उपजागाधीडा।
तुमको जगाधीडा सब नगरपालय
के बिरुद्ध पहुँचाये रखने के आरोप
में बंदी बनाता हूँ। तुम पर मुकुटमा
चसेता और आरोप सिद्ध होने पर
तुमको दंड दिख जासगा।

सत्य की ज्वालि उपजागाधीडा के
साथ थी। इसीलिए दंड को उसी
का साथ देना ही था-

मैं इसको यहाँ से ले जा
रही हूँ। लेकिन हम दोनों फिन
से वापस आसंगे। और तुम
दोनों को सम्राज के पास
तक छोड़कर आसंगे।

जलीला!

सेसा नहीं
हो सकता!

मिस किलर
जलीला को लेकर
आवा रही है।

उसकी चिन्ता मत करो
जगाराज। उसको तो हम
दुंद भी निकालेंगे और
दंड भी देंगे।

फिलहाल तो ये
दंड ग्रहण कीजिए
जगाधीडा।

जगाधीडा अब मैं
नहीं, तुम हो। हमारी
सोच पुरानी हो चुकी है।

नगरपालय को युवा और नई
सोच की आवश्यकता है। और
जगाराज के नियमों को भी
बदलने की आवश्यकता
है।

ताकि जग
न्याय जगाराज जैसा
का साथ दे।

जलीला जैसा
के हारों की कह-
पुतली न बन जाय।